छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 16 ■ अंक - 234 ■ अम्बिकापुर, मंगलवार 09 सितम्बर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

सिंहदेव ने पेट्रोलियम मंत्री को लिखा पत्र पेट्रोल की कीमतों में सुधार की सलाह

छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव ने केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी को पत्र प्रेषित कर इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के कर संरचना में सुधार की सलाह दी है। इस सुधार से पेट्रोल की कीमतों को 5 तक कम किया जा सकेगा।

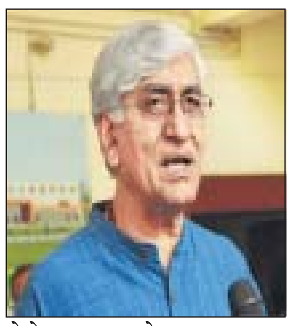

टीएस ने 5 सितंबर को प्रेषित पत्र जो तथ्यात्मक और शोधपरक है में पूर्व उपमुख्यमंत्री ने केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री को यह बताया है कि इथेनॉल मिक्स पेट्रोल पर दोहरा कराधान है। शुद्ध इथेनॉल पर 5 प्रतिशत जी एस टी लगता है और जब इस इथेनॉल को ई-20 अनुपात में पेट्रोल में मिलाया जाता है तब उसपर पेट्रोल पर लगने वाला उत्पाद कर और सेस के साथ राज्यों वैट भी अधिरोपित हो जाता है। यदि 20 प्रतिशत इथेनॉल जिसपर जीएसटी अधिरोपित है को शेष करो से जो पेट्रोल पर लगते हैं से मुक्त कर दिया जाए तो पेट्रोल की कीमतो में 5? प्रति लीटर की कमी हो जाएगी। छत्तीसगढ़ का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया इथेनॉल पर जीएसटी के अतिरिक्त करो को हटा दिया जाये तो कि ई-20 ईंधन की अनुमानित लागत क्रूड प्रोसेसिंग, जीएसटी सहित इथेनॉल की खरीदी और बलेंडिंग के बाद लागत 94.95/प्रति लीटर आता है। इसके बावजूद 5 सितंबर 2025 तक छत्तीसगढ़ में पेट्रोल की खुदरा कीमतें 99.44? प्रति लीटर से 100.55? प्रति लीटर के आसपास है। इस प्रकार से कर संरचना में सुधार आम नागरिकों को बड़ी राहत देगा। अपने पत्र में उन्होंने उल्लेख किया है कि इथेनॉल मिश्रण से मात्र 2025 में ही सरकार ने 43000 करोड़ रुपए की बचत की है। रूस और अन्य स्त्रोतों से सस्ता तेल खरीदने के बावजूद उपभोक्ताओं को इसका लाभ नहीं मिलने का ज़िक्र करते हुए उन्होंने ई20 ईंधन की कर संरचना में सुधार करते हुए उपभोक्ताओं को तत्काल इसका लाभ पहुंचाने की मांग अपने पत्र में की है।

विभिन्न शोधपरक जानकारी के साथ उन्होंने ई20 ईंधन के कारण वाहन पर पड़ रहे दुष्प्रभाव का भी विवरण केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री को प्रेषित पत्र में किया है। उन्होंने बताया है कि ई20 ईंधन के कारण 2010 के पूर्व के वाहनों के एवरेज में औसतन 7 त्न और 2010-2023 के बीच निर्मित वाहनों के एवरेज में 4त्न कई गिरावट देखी गई है। इथेनॉल के हाइग्रोस्कोपिक और संक्षारक स्वभाव के कारण इंजन में टूटफूट और रखरखाव की समस्या उत्पन्न हुई है। बीमा कंपनियों ने इथेनॉल के दुष्प्रभाव से उत्पन्न इन समस्याओं का रिस्क कवर करने से इंकार कर दिया है। ऐसे में अधिक कीमत देकर कम और गुणवत्ता हीन ईंधन खरीद रहे उपभोक्ताओं पर दोहरी मार पड़ रही है। सरकार को इस दिशा में आवश्यक कदम उठाना चाहिए। अपने पत्र में उन्होंने कहा है कि सरकार के द्वारा यदि इस मामले में त्वरित रूप से कदम नहीं उठाया गया तो ई20 ईंधन हरित ऊर्जा के क्षेत्र में मील का पत्थर बनने के बजाय क्रोनी पूंजीवाद के संरक्षण में आम नागरिकों के प्रति केंद्र सरकार के एक और असंवेदनशील व्यवहार के रूप में देखा जाएगा।

खदान विस्तार पर भड़का जनआक्रोश, 15 दिनों से धरने पर डटे ग्रामीण

छ.ग. फ्रंटलाइन लखनपुर। अमेरा कोल खदान के लिए अधिग्रहण पूरा होने के पहले ही खड़ी फसल पर मशीनें चलाए जाने के बाद एक पखवाड़े से ग्रामीण खेतों में डेरा डाले हुए हैं। उनका कहना है कि वे किसी भी शर्त पर अपनी जमीन नहीं देंगे। जमीनों का अधिग्रहण साल 2001 में किया गया था। जिनकी जमीनें अधिगृहीत की गई हैं, उन्हें न नौकरी मिला है और न मुआवजा। ग्रामीणों के विरोध के कारण तनाव की स्थिति बनी हुई है।

जानकारी के मुताबिक, अमेरा ओपन कास्ट माइन्स में कोयला उत्खनन खत्म हो गया है। खदान का विस्तार प्रस्तावित है, जिसके लिए परसोढ़ी कला की जमीनें साल 2001 में अधिगृहीत की गई थीं। अब तक मात्र 19 प्रतिशत किसानों ने ही जमीन का मुआवजा लिया है। माइनिंग प्रबंधन ने 15 दिन पहले पुलिस बल की तैनाती कराकर किसानों की खड़ी धान की फसल में बुलडोजर चलाना शुरू कर दिया, जिसका ग्रामीणों ने विरोध किया। जिसके बाद काम रोकना पड़ा।

तंबू लगाकर किसान कर रहे रखवाली

खड़ी फसल पर मशीनें चलाने के बाद ग्रामीण 15 दिनों से तंबू लगाकर खेतों की रखवाली कर रहे हैं। ग्रामीण अमेरा खदान के विरोध में धरना दे रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वे जान दे देंगे, लेकिन जमीनें नहीं देंगे। जमीनें लूटने की कोशिश की जा रही है, जिसका विरोध किया जा रहा है।

जबरिया अधिग्रहण किया तो उग्र प्रदर्शन

ग्रामीणों ने कहा कि ग्रामीण जमीनें देने तैयार नहीं हैं। अगर माइनिंग प्रबंधन की ओर से जबरिया जमीन छीनने की कोशिश की जाती है तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव और पांच गांवों के सरपंच और ग्रामीणों ने परसोढी कला के ग्रामीणों का समर्थन किया है।

मुआवजा कम, ग्रामीण जमीनें देने तैयार नहीं

ग्रामीणों ने पहले भी इसका विरोध किया गया था। परसोढ़ी कला में ग्रामीणों ने पहले सर्वे टीम पर हमला कर दिया था, जिसके बाद तनाव की स्थिति बन गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि साल 2001 में जमीनों का अधिग्रहण किया गया था, उस समय मुआवजे की दर काफी कम थी। 2001 में जिन लोगों का नाम नौकरी के लिए तय किया गया था, वे अब नौकरी करने तैयार नहीं हैं।

ग्रामीण नहीं ले रहे मुआवजा-एसईसीएल

SECL के वरिष्ठ अधिकारी केके भोई ने कहा कि जमीन अधिग्रहण 2001 में ही हो चुका है। खेती नहीं करने का नोटिस पहले ही किसानों को दिया गया था। अब तक 19 किसानों ने मुआवजा ले लिया है, बाकी लेने को तैयार नहीं हैं। मुआवजा ट्रिब्यूनल में जमा करने की अनुमति मिल चुकी है, इसलिए जमीन न देने का प्रश्न नहीं बनता। नौकरी के मामलों का भी निराकरण किया जा रहा है।

एसईसीएल ने अब तक ग्रामीणों को नहीं दी नौकरी

पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने कहा कि एसईसीएल ने कब किस व्यक्ति का जमीन अधिग्रहण किया है इस संदर्भ में उनके के पास कोई भी दस्तावेज उपलब्ध नहीं है और न ही एसईसीएल प्रबंधन अब तक ग्रामीणों को नौकरी दे पाई है । कई भूमि स्वामी तो ऐसे है जिनकी उम्र 50 से अधिक हो गई है और प्रबंधन उनके वारिसों को नौकरी देने को तैयार नहीं है इसलिए प्रबंधन जब तक मुआवजा और नौकरी नहीं देती तब ग्रामीणों का समर्थन करेंगे।

हिमालय की ओर रवाना हुई जशपुर की जनजातीय पर्वतारोहण टीम

रायपुर। छत्तीसगढ़ के इतिहास में आज एक नया अध्याय जुड़ गया। जशपुर जिले के पाँच जनजातीय युवा पर्वतारोही हिमाचल प्रदेश स्थित दुहंगन ग्लेशियर क्षेत्र के लिए रवाना हो गए हैं। यह 18 दिवसीय उच्च हिमालयी प्रशिक्षण एवं पर्वतारोहण अभियान केवल साहस और रोमांच का अनुभव ही नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के उस विज़न का हिस्सा है, जिसके तहत उन्होंने जनजातीय युवाओं को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने और उन्हें वैश्विक पहचान दिलाने का संकल्प लिया है।

जशपुर से निकलकर हिमालय की चोटियों तक

साजन टोप्पो, संजीव कुजूर, प्रतीक एक्का, मनीष नायक और अजीत लकड़ा यह पाँचों युवा जशपुर की जनजातीय पृष्ठभूमि से आते हैं। इनका हिमालय की ओर बढ़ता साहसिक कदम यह साबित कर रहा है कि गाँव और जंगल की मिट्टी से निकले सपने भी दुनिया की सबसे कठिन चोटियों को छू सकते हैं। यह अभियान न केवल जशपुर, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए प्रेरणादायी संदेश है कि अवसर और जज़्बा हो तो कोई मंज़िल दूर नहीं।

मुख्यमंत्री का आशीर्वाद और राज्य सरकार का सहयोग

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रवाना होने से पूर्व पर्वतारोहण टीम को शुभकामनाएँ और आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय युवाओं की ऊर्जा और क्षमता को वैश्विक मंच तक पहुँचाना उनकी प्राथमिकता है। राज्य सरकार के सहयोग और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के मार्गदर्शन से यह अभियान संभव हो पाया है।

कलेक्टर जनदर्शन-सहकारी बैंक शाखा प्रबंधक पर कार्रवाई किसानों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश

छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। कलेक्टर विलास भोसकर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर जनदर्शन का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में आमजन अपनी समस्याएँ और आवेदन लेकर पहुँचे।

सीतापुर विकासखण्ड के पेटला गांव से आए किसानों ने सहकारी बैंक शाखा प्रबंधक के अनुचित व्यवहार की शिकायत की। कलेक्टर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित अधिकारी को तत्काल कार्रवाई करते हुए किसानों की समस्या का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं निजी स्कूलों द्वारा फीस ज्यादा और टीसी (ट्रांसफर सर्टिफिकेट) न देने की शिकायत पर कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को तुरंत जांच कर बच्चे को टीसी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जनदर्शन में राजपुरी के रहने वाले आठवीं पास पहाड़ी कोरवा युवक ने पिता के निधन के बाद अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। इस पर कलेक्टर ने आदिवासी विकास विभाग के सहायक संचालक को फोन कर प्रकरण का निराकरण कर नियुक्ति की कार्रवाई करने को कहा। साथ ही उन्होंने पहाड़ी कोरवा आवेदक से शासन की विभिन्न योजनाओं के लाभ की जानकारी भी ली।

इस जनदर्शन में फौती नामांतरण, भूमि बंटवारा, वन अधिकार पत्र, अनुकंपा नियुक्ति, रजिस्ट्री सहित विभिन्न मामले आवेदन प्रस्तुत किए गए, जिन पर त्वरित कार्रवाई हेतु अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

11 सितंबर को बस्तर में खुलेगा उद्योग और रोजगार का नया द्वार, निवेश को लेकर बड़ीलानिंग में सरकार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर इलाके में विकास को नई गति देने के उद्देश्य से इन्वेस्टर कनेक्ट का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का आयोजन 11 सितंबर का किया जाएगा। सीएम विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन का वाणिज्य एवं उद्योग विभाग 11 सितंबर को बस्तर में इन्वेस्टर कनेक्ट का आयोजन करने जा रहा है। इन आयोजनों के माध्यम से नवंबर 2024 से अब तक 6.65 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार अब छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट के माध्यम से निवेश संभावनाओं को बस्तर तक ले जा रही है, जो प्रदेश के सबसे गतिशील और संभावनाशील क्षेत्रों में से एक है। बस्तर इन्वेस्टर कनेक्ट राज्य सरकार की छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास नीति 2024.30 के अंतर्गत संतुलित क्षेत्रीय विकास की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस नीति का उद्देश्य रोजगार सृजन, उद्यमिता को बढ़ावा और स्थानीय समुदायों का सशक्तिकरण है।

क्या है औद्योगिक नीति में खास

छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास नीति 2024.30 के अंतर्गत 1000 करोड़ रुपये से अधिक निवेश करने वाली अथवा 1000 से अधिक रोजगार सृजित करने वाली परियोजनाओं के लिए विशेष प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है। इस नीति में औषधि निर्माण, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र उद्योग, आईटी एवं डिजिटल तकनीक, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स, एयरोस्पेस व डिफेंस और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। पर्यटन को भी उद्योग का दर्जा प्रदान किया गया है।

200 से अधिक निवेशक आने की संभावना

अधिकारियों ने कहा कि उम्मीद है कि बस्तर इन्वेस्टर कनेक्ट में देश-विदेश से 200 से अधिक प्रमुख निवेशक, उद्योग जगत के दिग्गज और स्थानीय उद्यमी शामिल होंगे। यह आयोजन सहयोग और विकास का एक उच्च-स्तरीय मंच साबित होगा। इस अवसर पर कई महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (स्ररू्रह्य) पर हस्ताक्षर होने की भी संभावना है, जो बस्तर की विकास यात्रा में एक ऐतिहासिक पड़ाव सिद्ध होंगे।

क्या कहा सीएम साय ने

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि हमारी सरकार बस्तर के युवाओं को वह कौशल और अवसर देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, जिसके वे अधिकारी हैं और जिनसे वे छत्तीसगढ़ की विकास गाथा के सक्रिय सहभागी बन सकेंगे। औद्योगिक नीति की प्रत्येक पहल स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने और समृद्धि को घर-घर तक पहुंचाने के उद्देश्य से सोच-समझकर तैयार की गई है। बस्तर में छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट का आयोजन बस्तर के समग्र विकास को साकार करने की दिशा में एक अहम मील का पत्थर साबित होगा।

प्रधानमंत्री मोदी को खरगे ने बताया देश का दुश्मन, विष्णुदेव साय ने कहा- उनका बयान राष्ट्रहित के विरुद्ध

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। भारत पर अमेरिका की ओर से लगाए गए टैरिफ के संदर्भ में बोलते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश का दुश्मन कह दिया। इसे लेकर पूरे देश में राजनीति गर्म हो गई है। भाजपा नेता अब कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर निशाना साध रहे हैं। इस मामले को लेकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है।

सीएम साय ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का प्रधानमंत्री जी को देश का दुश्मन कहना न केवल निंदनीय है, बल्कि राष्ट्रहित के विरुद्ध है। सीएम साय ने कहा कि देश साक्षी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मूल मंत्र के साथ भारतवासियों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अभूतपूर्व मान-सम्मान अर्जित किया है। आर्थिक मोर्चे पर देश ने स्थिरता और प्रगति की नई ऊंचाइयां छुई हैं। मोदी जी के कुशल शासन में भारत की अर्थव्यवस्था दसवें स्थान से पांचवें और अब चौथे स्थान पर पहुंची है। यह उपलब्धि 140 करोड़ भारतीयों की एकता और विश्वास का प्रतीक है। खरगे जी का यह बयान न केवल आधारहीन है, बल्कि राष्ट्र के गौरव को ठेस पहुंचाने वाला है। उन्हें अपने इस बयान के लिए देश की जनता से माफ़ी माँगनी चाहिए।

क्या कहा था खरगे ने?

दरअसल, कर्नाटक के कलबुर्गी में मीडिया से बातचीत करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोस्त हो सकते हैं, लेकिन पीएम मोदी देश के दुश्मन बन गए हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने 50 प्रतिशत टैक्स लगाकर हमारे लोगों को नुकसान पहुंचाया। इस दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि देश पहले आता है, दोस्ती बाद में। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी से आग्रह किया कि भारत को अपनी पुरानी तटस्थ और गैर-संरेखित विदेश नीति पर कायम रहना चाहिए। इसके साथ ही जीएसटी दरों में संशोधन पर उन्होंने कहा कि गरीबों के हित में उठाया गया कदम स्वागत योग्य है, लेकिन बीजेपी सरकार ने लोगों को वर्षों तक परेशान किया।

रिश्वत और वसूली कांड में 4 आरक्षक निलंबित

गांजा तस्कर को 60 हजार लेकर छोड़ा, किसानों से 80 हजार वसूले

छ.ग. फ्रंटलाइन महासमुंद। जिले में पुलिसकर्मियों की गंभीर लापरवाही और वसूली की शिकायतों पर पुलिस अधीक्षक आशुतोष सिंह ने कड़ा कदम उठाया है। गौ-तस्करी के नाम पर किसानों से पैसे वसूलने और गांजा तस्करों से रिश्वत लेकर छोड़ने के मामले में बलौदा थाना का पूरा स्टाफ बदल दिया गया है। वहीं पटेवा थाना में ड्यूटी पर तैनात 4 आरक्षकों को निलंबित कर उनके खिलाफ प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है।

गांजा तस्करी मामले में रिश्वत लेकर आरोपी को छोड़ा

5 सितंबर को पटेवा पुलिस ने भीखम चंद्रवंशी (27), निवासी कबीरधाम को 20 किलो गांजा के साथ पकड़ा था। आरोप है कि ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने एक ढाबा संचालक के अकाउंट में 60 हजार रुपये की रिश्वत ऑनलाइन ट्रांसफर करवाई और आरोपी को छोड़ दिया। बाद में कवर्धा पुलिस ने उसी आरोपी को 15 नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया, तब उसने पटेवा थाना पुलिस को रिश्वत देकर छूटने की बात कबूल की। इस मामले में आरक्षक देव कोसरिया, अनिल गिलहरे, शुभम पांडे और नरेश कुमार वर्मा को निलंबित कर दिया गया है।

कुशवाहापारा में वर्षों से बंद पड़ा रास्ता खुलेगा, बनेगी नाली

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत सिलफिली के नया कुशवाहापारा में ग्रामीणों को लंबे समय से चले आ रहे रास्ते की परेशानी से आज निजात मिल गया है। अब जल्द ही यहां पर नाली का निर्माण कार्य पूर्ण कराए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। साथ ही लोगों की मांग पर अहाता के बाजू में आमजन के आवागमन हेतु जगह दिए जाने की भी सहमति बनाई गई है। गौरतलब है कि मंडी बोर्ड निर्माण एजेंसी ने गांव के खसरा नंबर 613 से होकर गुजरने वाले 11 मीटर चौड़े पुराने निस्तार रास्ते को नींव खोदकर बंद कर दिया था, जिससे पानी निकासी रुकने से लोगों का आवागमन मुश्किल हो गया था। मामले में जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र यादव द्वारा गत दिनों कलेक्टर सूरजपुर को ज्ञापन सौंपकर ग्रामीणों की उक्त गंभीर समस्या से अवगत कराकर रास्ते को तत्काल खुलवाने और सेटलमेंट रिकॉर्ड में नक्शा सुधार की मांग किया गया था। ज्ञापन में उल्लेख किया गया था कि उक्त मार्ग खसरा नंबर 613 से शुरू होकर मधूबन कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग होते हुए खसरा नंबर 542/1 तक जाता है, जो ग्रामीणों का प्रमुख निस्तार मार्ग है। इस मार्ग के बंद होने से न केवल आवागमन बाधित हुआ है, बल्कि जलभराव की समस्या भी बढ़ गई है। सोमवार को कलेक्टर के निर्देश पर सुरजपुर एसडीएम शिवानी जायसवाल, मंडी बोर्ड के कार्यपालन अभियंता, मंडी सचिव, लटोरी तहसीलदार सुरेंद्र कुमार पैकरा व राजस्व विभाग की पूरी टीम मौके पर पहुंचकर वस्तुस्थिति का जायजा लिया।

यहां पर अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में चर्चा उपरांत निर्णय लिया गया कि उक्त भूमि के बाउंड्रीवाल के समीप पानी जमाव की समस्या से निजात दिलाए जाने हेतु नाली निर्माण कार्य कराया जाएगा। साथ बाउंड्रीवाल के बाजू में आमजन के आवागमन हेतु भी कुछ भूमि को छोड़ दिया जाएगा। यहां पर जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र यादव के अलावा सिलफिली सरपंच अर्चना अगरिया, रूपदेव कुशवाहा, हीरालाल कुशवाहा, अक्षय लाल कुशवाहा, बीडीसी प्रतिनिधि मनोहर सिंह, रामबली कुशवाहा, विनोद कुशवाहा, सुनील कुशवाहा सहित अन्य ग्रामीणों की मौजूदगी में मौके का निरीक्षण किया गया। सभी पक्षों ने आमराय से फैसला लिया कि निस्तार के लिए चौड़ी सड़क और नाली का निर्माण कराया जाएगा। रास्ता तुरंत खोला जाएगा तथा सेटलमेंट रिकॉर्ड में आवश्यक सुधार भी सुनिश्चित किया जाएगा। जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र यादव ने बताया कि ग्रामीणों की समस्या का प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से जल्द ही रास्ता बहाल हो जाएगा।

कृषि स्नातक संघ की 9 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन शुरू

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। छत्तीसगढ़ कृषि स्नातक शासकीय कृषि अधिकारी संघ ने अपनी 9 सूत्रीय लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। आंदोलन की शुरुआत 8 और 9 सितंबर को काली पट्टी लगाकर काम करने से की गई। संघ के जिलाध्यक्ष जितेंद्र झा ने बताया कि 15 सितंबर को जिलेभर में तहसीलदार, एसडीएम और कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री व कृषि मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस दिन संसाधन भत्ता दिए बिना कोई ऑनलाइन कार्य नहीं किया जाएगा। इसके बाद 23 सितंबर को एक दिवसीय सांकेतिक प्रदर्शन कर रैली निकाली जाएगी। अधिकारियों के आंदोलन से पीएम किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, धान खरीदी सत्यापन, सॉइल हेल्थ कार्ड, गिरदावरी सहित कई योजनाओं के ऑनलाइन कार्य प्रभावित होंगे, जिससे किसानों को दिक्कत हो सकती है। कृषि अधिकारियों की मुख्य मांगों में 4300 ग्रेड पे वेतनमान संशोधन, स्थायी भत्ता 2500 रुपए तक बढ़ाना, संसाधन भत्ता, अतिरिक्त प्रभार पर क्षेत्रीय भत्ता और पदनाम परिवर्तन जैसी बातें शामिल हैं।

कंदरई हायर सेकेंडरी स्कूल में छात्राओं को किया गया जागरूक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग के योजना संकल्प अंतर्गत महिला केंद्रित विषयों पर 10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देशन व जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल के मार्गदर्शन में शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल कंदरई में किया गया। जहां पर महिला सशक्तिकरण हब मिशन शक्ति अंतर्गत जिला मिशन समन्वयक शारदा सिंह द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अंतर्गत बालिका भ्रूण हत्या, बाल विवाह, घरेलु हिंसा, सखी वन स्टाप सेंटर, टोल फ्री नंबर 181, 1098 एवं किशोरी बालिकाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही पोषण माह अंतर्गत किशोर बालिकाओं को सभी प्रकार के पोषण से भरपुर खाद्य पदार्थो की जानकारी दी गई एवं बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए छात्राओं को पढ़ाई में आगे बढ़ने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

बढ़ते हुए साइबर क्राइम के बारे में भी बालिकाओं को अवगत करा सतर्क रहने की समझाइश दी गई।

इंडस्ट्री और बैंकर्स मीट का आयोजन 10 सितम्बर को

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक ने जानकारी दी है कि रेजिंग एंड एक्सीलरेशन एमएसएमई परफॉर्मेंस (रैंप) योजना अंतर्गत एमएसएमई उद्यमियों के वित्तीय सहायता एवं नये स्टार्टअप को एमएसएमई अंतर्गत प्रोत्साहित करने हेतु 10 सितंबर को 12 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष में इंडस्ट्री और बैंकर्स मीट का आयोजन किया गया है।

इस सम्मेलन का उद्देश्य उद्यमियों को बैंकिंग सेवाओं, ऋण योजनाओं में वित्तीय सहायता उपलब्धता से अवगत कराना और उनके समक्ष आने वाले वित्तीय चुनौतियों का समाधान सुनिश्चित करना है।

ईद मिलादुन्नबी पर सतपता में मिलाद-ए-मेफिल का आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन ईद मिलादुन्नबी के मौके पर ग्राम पंचायत सतपता की गौसिया मस्जिद कमेटी की अगुवाई में रविवार को शाम 7 बजे से महिलाओं के लिए विशेष मिलाद-ए-मेफिल का आयोजन हुआ। इसमें जूर बंजा और बिश्रामपुर की अलिमाओं ने तकरीर और नातखानी पेश की। बड़ी तादाद में महिलाओं की मौजूदगी ने महफिल को और भी रोशन बना दिया। इसके बाद गौसिया मस्जिद परिसर में पुरुषों की महफिल-ए-मिलाद का आयोजन हुआ। यहां मस्जिद के इमाम और खतीब हाफिज अफसर आलम, मदरसा नूरुल अनवार के मौलाना नौशाद और हाफिज जलील साहब ने तकरीर पेश करते हुए नातखानी की। इस मौके पर मुल्क और उम्मत की सलामती, अमन-चैन और भाईचारे की दुआएं मांगी गईं। आयोजन को सफल बनाने में गौसिया मस्जिद कमेटी के अंजुमन के सदर हाजी वसी अहमद, सेक्रेटरी मकसूद आलम सोनू, नायब सदर शेख शम्मी, नायब सेक्रेटरी मोहसिन खान, खजांची साकिब अख्तर, मेंबर सिराजुल हक और सुलतान अहमद, नवजवान कमेटी के सदर सलमान खान, शमीम कल्लू, आजाद, अली, मुराद, फरदीन व अन्य सक्रिय रहे।

सौर ऊर्जा से आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम

15 लाख बीपीएल परिवारों को मिलती रहेगी मुफ्त बिजली की सुविधा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को राहत देने वाली हॉफ बिजली बिल योजना के अंतर्गत दी जाने वाली 400 यूनिट की मासिक छूट की सीमा में युक्तियुक्त संशोधन करते हुए अब 100 यूनिट तक की मासिक खपत पर 50 प्रतिशत की रियायत देने का निर्णय लिया है।

वर्तमान में राज्य में लगभग 45 लाख घरेलू उपभोक्ता परिवार हैं, जिनमें से 31 लाख परिवारों की मासिक खपत 100 यूनिट से कम है। यह लगभग 70 प्रतिशत उपभोक्ताओं का प्रतिनिधित्व करता है। अतः इस संशोधन के बावजूद, इन 31 लाख जरूरतमंद सामान्य एवं कमजोर वर्ग के उपभोक्ताओं को योजना का लाभ पूर्ववत मिलता रहेगा। इन 31 लाख परिवारों में 15 लाख बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे) परिवार भी शामिल हैं, जिन्हें पूर्ववत 30 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिलती रहेगी। इसके साथ ही वे हॉफ बिजली बिल योजना के तहत अन्य सभी लाभों से भी यथावत लाभान्वित रहेंगे।

राज्य सरकार प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करने पर केंद्र और राज्य सरकारों से अधिकतम 1,08,000 रुपये तक की सब्सिडी दी जा रही है। इस योजना के तहत 1 किलोवाट क्षमता के सोलर प्लांट से प्रतिमाह औसतन 120 यूनिट बिजली उत्पादन होता है, जिस पर 30,000 रुपये केंद्र से व 15,000 रुपये राज्य से, कुल 45,000 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है। उपभोक्ता को लगभग 15,000 रुपये स्वयं वहन करने होते हैं।

इसी प्रकार 2 किलोवाट प्लांट के लिए प्रतिमाह औसतन 240 यूनिट उत्पादन संभव है, जिस पर 90,000 रुपये तक कुल सब्सिडी (60,000 केंद्र .30,000 रुपये राज्य) मिलती है। उपभोक्ता को केवल 30,000 रुपये खर्च करना होता है। 3 किलोवाट क्षमता के प्लांट से प्रतिमाह औसतन 360 यूनिट उत्पादन संभव है और इसमें 78,000 रुपये केंद्र . 30,000 रुपये राज्य यानी कुल 1,08,000 रुपये की सहायता मिलती है। उपभोक्ता को 72,000 रुपये वहन करना पड़ता है, जो ऋण पर भी उपलब्ध है।

उल्लेखनीय है कि 2 किलोवॉट या अधिक क्षमता वाले प्लांट लगाने वाले उपभोक्ता प्रतिमाह 200 यूनिट से अधिक बिजली का उत्पादन 25 साल तक कर सकते हैं, जो हॉफ बिजली योजना से मिलने वाली अधिकतम छूट (400 यूनिट पर 200 यूनिट रियायत) से भी ज्यादा है। ऐसे उपभोक्ता अपने घर में सौर ऊर्जा से उत्पन्न विद्युत का उपयोग कर न सिर्फ बिजली खर्च से मुक्ति पा सकते हैं, बल्कि अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में प्रवाहित कर आय भी अर्जित कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली, स्थायी बचत और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित करेगी। साथ ही, पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व निभाने की दिशा में भी यह एक बड़ा कदम साबित होगा। इससे छत्तीसगढ़ के उपभोक्ता हॉफ बिजली बिल से मुफ्त बिजली बिल योजना की ओर स्वाभाविक रूप से अग्रसर होंगे। उपभोक्ता किसी भी योजना पर निर्भर न रहते हुए स्वयं अपनी छत पर ऊर्जा उत्पादन कर उर्जादाता बनेंगे। यह रणनीतिक पहल राज्य को स्वच्छ ऊर्जा, आर्थिक बचत और ऊर्जा स्वतंत्रता की दिशा में आगे बढ़ाएगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने दी सुरक्षित छत और जीने का विश्वास : सविता

अपना घर मिला तो मिला जीवन जीने का नया संबल

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की विशेष पहल पर प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों और मुख्यधारा में लौटे आत्मसमर्पित नक्सलियों को अब सुरक्षित छत और सम्मानजनक जीवन मिल रहा है। जनपद पंचायत शंकरगढ़ के ग्राम पंचायत जोकापाठ निवासी सविता यादव इसका एक सशक्त उदाहरण हैं।

सविता यादव के पति लखन लाल यादव को नक्सलियों ने पुलिस का मुखबिर बताकर निर्ममता से मार डाला था। इस दर्दनाक घटना के बाद परिवार पर दुःख और भय का गहरा साया छा गया। कठिन हालातों में गुजर-बसर कर रही सविता को प्रधानमंत्री आवास योजना से आवास स्वीकृत हुआ। उन्होंने समय पर मकान का निर्माण पूरा किया और आज उनके परिवार के सिर पर सुरक्षित छत है। आवास पूर्ण होने के बाद सविता यादव ने भावुक होकर कहा प्रधानमंत्री आवास योजना ने हमें सुरक्षित छत और जीने का विश्वास दिया है। उन्होंने अपनी पीड़ा साझा करते हुए कहा हमारा जीवन भी सामान्य था। पति लखन लाल यादव मेहनत-मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते थे। लेकिन एक दिन नक्सलियों ने उन्हें पुलिस का मुखबिर बताकर मार डाला। यह मेरे लिए असहनीय था। परिवार का सहारा छिन गया, बच्चों का भविष्य अंधकार में डूब गया और सिर पर सुरक्षित छत तक न रही। लेकिन छत्तीसगढ़ सरकार ने आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल पीड़ित परिवारों के पुनर्वास के लिए मुख्यधारा से जोड़ने महत्वपूर्ण पहल की है। जिससे हमें जीवन जीने का नया संबल मिला है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत पीड़ित एवं आत्मसमर्पित परिवारों के लिए आवासों की स्वीकृति प्रदान की। जिसके तहत आज श्रीमती सविता के पास खुद का अपना पक्का मकान है।

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर ने बताया कि जिले में अब तक इस योजना के तहत 6 आत्मसमर्पित नक्सली और 19 नक्सल हिंसा से पीड़ित परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिया जा चुका है। इन मकानों ने परिवारों को न केवल सुरक्षा प्रदान की है, बल्कि उन्हें समाज में गरिमा और आत्मविश्वास के साथ जीने का अवसर भी दिया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना केवल एक आवास निर्माण की योजना नहीं है, बल्कि यह सम्मान और नई उम्मीद की आधारशिला है। इस योजना से नक्सल पीड़ित परिवारों और आत्मसमर्पित नक्सलियों, दोनों को लाभ मिल रहा है, जिससे वे भयमुक्त होकर सुरक्षित भविष्य की ओर कदम बढ़ा रहे हैं।

स्टूडियो संचालक से मारपीट जुर्म दर्ज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जमीन कब्जे के विवाद को लेकर दो सगे भाइयों ने विजय फोटो स्टूडियो के संचालक नरेंद्र कांडे की पिटाई कर दी। घटना शुक्रवार की बताई जा रही है। स्टूडियो संचालक की रिपोर्ट पर बिश्रामपुर पुलिस ने आरोपी भाइयों नागेश सिंह आर्मो व योगेश आर्मो पिता स्व. सदन सिंह के खिलाफ धारा 115 (2), 296, 3 (5), 351 (3) के तहत जुर्म दर्ज कर लिया है। स्टूडियो संचालक नरेंद्र कांडे ने पुलिस में दर्ज कराए गए रिपोर्ट में बताया गया कि एसईसीएल महाप्रबंधक कार्यालय के सामने उनकी कब्जे की जमीन है, उन्हें सूचना मिली की उनके कब्जे की जमीन में आरोपित दोनों भाईयों द्वारा कब्जे का प्रयास किया जा रहा है, जिसे वे देखने गए थे।

इसी दौरान दोनों नागेश और योगेश उन्हे मां बहन की गाली गलौज करते हुए दोनों ने उनकी हाथ मुक्के से बेदम पिटाई कर दी, जिससे उन्हें छाती सिर और चेहरे में चोटे आई हैं। रिपोर्ट पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

प्रोजेक्ट रक्षा के तहत अब तक 325 महिलाओं की हुई कैंसर स्क्रीनिंग

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार, जिला प्रशासन की नवाचार पहल प्रोजेक्ट रक्षा के तहत अब तक कुल 325 महिलाओं की कैंसर की स्क्रीनिंग की गई है।

इस निःशुल्क कैंसर स्वास्थ्य जांच शिविर में मुख (ओरल), स्तन (ब्रेस्ट) तथा गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर के स्क्रीनिंग की जा रही है। प्रोजेक्ट रक्षा, जिला प्रशासन द्वारा बालको मेडिकल सेंटर के सहयोग से कैंसर की शुरुआती पहचान के लिए संचालित किया जा रहा है, जिससे समय रहते बीमारी का पता चलने पर जीवन बचाना आसान हो सके। आपका एक कदम - जीवन की रक्षा की ओर की भावना को लेकर प्रोजेक्ट रक्षा के तहत जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में बालको मेडिकल सेंटर की टीम, मोबाइल कैंसर डिटेक्शन वैन के माध्यम से गांव-गांव पहुंच रही है।यह टीम ग्रामीण महिलाओं को कैंसर के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ 3 प्रकार के कैंसर के लक्षणों की जानकारी और बचाव के उपाय को समझाते हुए स्क्रीनिंग कर रही है, ताकि प्रारंभिक अवस्था में ही कैंसर की पहचान कर जीवन रक्षा संभव हो सके।

प्रोजेक्ट मेरा गांव, मेरी पहचान अभियान के तहत ग्रामों का हो रहा सर्वांगीण विकास

रायपुर, **छ.ग. फ्रंटलाइन।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जिले में मेरा गांव, मेरी पहचान परियोजना की शुरुआत की गई है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिले के 80 से अधिक ग्रामों का चयन कर प्रत्येक गांव के लिए विभागीय अधिकारियों को क्रियान्वयन अधिकारी नियुक्त किया गया है।

इन अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि गांवों के सामाजिक और आर्थिक विकास के साथ-साथ शासन की योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ ग्रामीणों तक पहुंचे। विशेष रूप से आरंग का ग्राम राखी, महिला हितैषी ग्राम के रूप में चयनित किया गया है। इसकी क्रियान्वयन अधिकारी जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी सुश्री शैल ठाकुर हैं। 471 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले 1,877 की आबादी वाले इस गांव में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कई महत्वपूर्ण पहलें की जा रही हैं। ग्राम पंचायत राखी को बाल विवाह मुक्त, कुपोषण मुक्त, घरेलू हिंसा मुक्त और नशा प्रतिषेध ग्राम बनाने की दिशा में कार्य हो रहा है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत किशोरी बालिकाओं के लिए कौशल विकास शिविर और कानूनी अधिकार कार्यशालाएँ आयोजित की जा रही हैं। इनमें मानसिक, शारीरिक और व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व पर विशेष जोर दिया गया है।

अब तक गांव में बाल विवाह रोकथाम कार्यशाला, बाल संदर्भ शिविर तथा हर घर मुनगा अभियान के तहत शपथ ग्रहण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए जा चुके हैं। आगामी समय में भी सामाजिक और शैक्षिक गतिविधियों के जरिए ग्राम पंचायत राखी को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया गया है।

डिप्टी सीएम अरुण साव ने की घोषणा सरगुजा में भी होगा ओलिंपिक

छ.ग.फ्रंटलाइन

बिलासपुर। बहतराई स्टेडियम में बस्तर के बाद सरगुजा में भी ओलिंपिक शुरू करने की घोषणा छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने की। यह घोषणा उन्होंने 22वीं राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के समापन समारोह में की। छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ की ओर से आयोजित इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेश के 1500 खिलाड़ियों ने भाग लिया। 5 से 7 सितंबर तक चली इस प्रतियोगिता में 17 खेलों की 138 विधाओं में बालक और

बालिकाओं ने हिस्सा लिया।

खेल में हार से मिलती है सीख

समापन समारोह में उपमुख्यमंत्री साव ने विजेता खिलाड़ियों को पदक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि खेल में कोई नहीं हारता, या तो जीतता है या कुछ सीखता है। खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने से प्रतिभा में निखार आता है।

सरकार ने प्रारंभ किया राज्य अलंकरण सम्मान

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने बंद पड़े राज्य अलंकरण सम्मान को फिर से शुरू किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच के अनुरूप सांसद खेल महोत्सव भी प्रारंभ किया गया है। विधायक सुशांत शुक्ला ने बताया कि खेल मंत्री का प्रभार मिलने के बाद यह उप-मुख्यमंत्री का पहला सार्वजनिक कार्यक्रम था।

जिला स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस कार्यक्रम का हुआ आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण सरगुजा के तत्वाधान में जिला साक्षरता मिशन के कार्यकारिणी अध्यक्ष विलास भोस्कर के मार्गदर्शन एवं जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विनय कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में जन शिक्षण संस्थान सरगुजा के सभागार में जिला स्तरीय अंतराष्ट्रीय साक्षरता दिवस का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि प्रभात कुमार रहे। कार्यक्रम में एम सिद्दीकी निदेशक जन शिक्षण संस्थान सरगुजा, अंचल ओझा सरगुजा साइंस ग्रुप, गिरीश गुप्ता डी पी ओ साक्षरता, श्रीमती शालिनी शर्मा, श्रीमती रुखमनी जायसवाल सरगुजा की गरिमामय उपस्थिति रहीं। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता एम सिद्दीकी ने किया साथ ही बताया कि यह कार्यक्रम कराने का उद्देश्य लोगों को साक्षरता के महत्व के बारे में जागरूक करना और यह

याद दिलाने कि यह व्यक्तियों, समुदायों और समाज के विकास के लिए कितनी आवश्यक है। इसी तारतम्य मे गिरीश गुप्ता ने बताया कि यह दिवस साक्षरता को एक मौलिक मानव अधिकार के रूप में देखता है और व्यक्तिगत गरिमा के लिए इसके महत्व पर जोर देता है। उच्च साक्षरता दर बेहतर आर्थिक प्रदर्शन, कम असमानता और अधिक सामाजिक सामंजस्य से जुड़ी होती है, जिससे एक मजबूत समाज का निर्माण होता है। साथ ही युवा कौशल विकास और उद्यमिता से प्रेरित छात्रों ने कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और रंगोली प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, स्पीच प्रतियोगिता, ट्रेडिशनल डांस प्रतियोगिता में भाग लिया। इसी तारतम्य मे अतिथि प्रभात कुमार ने कहा कि साक्षरता व्यक्तियों को अपने समुदायों में सक्रिय रूप से भाग लेने और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए सशक्त बनाती है। यह दिवस कमजोर और गरीब वर्गों को निःशुल्क कानूनी सहायता और समर्थन प्रदान करने के लिए जागरूकता फैलाता है। साथ ही अंचल ओझा ने बताया कि यूनेस्को द्वारा 1966 में घोषित इस दिन का उद्देश्य साक्षरता को बढ़ावा देना, गरीबी कम करना और अधिक न्यायपूर्ण, शांतिपूर्ण और टिकाऊ समाज का निर्माण करना है। इस तरह कार्यक्रम में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी आने वाले छात्रों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। जन शिक्षण संस्थान सरगुजा से रूपाली, साक्षी, रुक्मणी जैसवाल, वंदना मानिकपुरी, गीता यादव, रमेश यादव, अंजू माला, शुभंकर विस्वास, सत्येंद्र यादव, विकास, रेणू यादव, विवेक सिंह राजपूत आदि सभी की सक्रिय भूमिका रही। इस अवसर पर स्वयंसेवी शिक्षकों व साक्षरता सप्ताह में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

गाड़ी फाइनेंस कर, खरीद बिक्री के मामले में पुलिस ने किया दो आरोपियों को गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन

पत्थलगांव। आशीष शर्मा निवासी कोतबा ने चौकी में एक शिकायत आवेदन प्रस्तुत किया था कि उसे कोरियर के माध्यम से एक आर.सी. बुक प्राप्त हुई। उक्त वाहन को हिंदुजा लिलैंड फायनेंस कंपनी के द्वारा फायनेंस किया गया है। आवेदक एवं इसके परिवार के सदस्य के द्वारा किसी प्रकार का वाहन नहीं खरीदा गया है, न ही इसके द्वारा किसी प्रकार का मूल दस्तावेज दिया गया है। इसके द्वारा दस्तावेज की छायाप्रति को स्कूटी के डिक्की में रखा गया था जिसे किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा दस्तावेज को चुराकर उसका दुरूपयोग करते हुये वाहन फायनेंस कराकर ठगी किया गया है, उक्त शिकायत पर पुलिस के द्वारा जाँच करते हुए चौकी कोतबा में अप.क्र. 124/24 धारा 420, 467, 468, 471, 379, 34 भा.द.वि. का

अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ किया। पुलिस ने पाया कि मुख्य आरोपी शाहरूख खान उम्र 26 साल निवासी खोरमा, थाना प्रतापपुर, जिला सूरजपुर एवं वसीम खान उम्र 40 साल निवासी रसुलपुर अंबिकापुर के द्वारा, अन्य व्यक्तियों के दस्तावेजों को चुराकर कूट रचना करते हुए, बुलेट कंपनी के शो रूम के मैनेजर आरोपी मनीष डेविड, निवासी तलवापारा, बैकुंठपुर के साथ मिलकर कूट रचना कर, फर्जी तरीके से दूसरे के नाम पर गाड़ी फाइनेंस करा लेते थे व उक्त गाड़ियों को बेच देते थे। पुलिस के द्वारा मामले में पूर्व में ही उक्त तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है व उनके कब्जे से 10 नग बुलेट वाहन एवं 01 नग स्कूटी को भी जप्त किया गया है।

उक्त आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस को पता चला था कि, ठगी के मोटर साइकल की खरीद बिक्री में दो अन्य आरोपी वज्जाद अली उर्फ सोनू खान, उम्र 29 वर्ष और शोएब जाफ़र, उम्र 37 वर्ष दोनो निवासी सदर रोड, बरेज पारा, कदम्बी चौक, अंबिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.) की भी संलिप्तता है जो कि फरार थे। जिन्हें पुलिस ने अंबिकापुर से हिरासत में लेकर कोतबा चौकी लाया गया। पुलिस की पूछताछ पर दोनों आरोपियों के द्वारा अपराध स्वीकार करने व प्रयाप्त अपराध सबूत पाए जाने पर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। मामले की कार्यवाही में चौकी प्रभारी कोतबा उप निरीक्षक बृजेश यादव, प्रधान आरक्षक अजय खेस, आरक्षक अभय चौबे, बूटा सिंह, अमित साय व दीपक टोप्पो की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

एनएचएम संविदा कर्मचारी ने सोमवार को रोटी-सम्मान-न्याय-गारंटी की थीम पर किया प्रदर्शन

छ.ग.फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 16 हजार से ज्यादा एनएचएम संविदा कर्मचारी का सोमवार को हड़ताल का 21वां दिन रहा। एनएचएम संविदा कर्मचारी अब आर-पार की लड़ाई पर उतर आए हैं। प्रदेश के सभी जिलों में अलग-अलग तरीके से प्रदर्शन जारी है। सोमवार को रोटी-सम्मान-न्याय-गारंटी की थीम पर प्रदर्शन चल रहा है। एनएचएम कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अमित कुमार मिरी ने कहा कि, अब सिर्फ आश्वासन नहीं, ठोस फैसले चाहिए। मंगलवार से जल सत्याग्रह की शुरुआत की जाएगी। मिरी ने बताया कि, सरकार जल्द सुनवाई नहीं करती तो एनएचएम

कर्मचारी विधानसभा का घेराव भी करेंगे। मंत्रियों-विधायकों के घरों के बाहर उग्र प्रदर्शन होगा।

दे चुके हैं सामूहिक इस्तीफा

इससे पहले एनएचएम कर्मचारियों ने सामूहिक इस्तीफा देकर स्वास्थ्य विभाग को झटका दिया था। रायपुर में 1600, दुर्ग में 850 और रायगढ़ में 500 कर्मचारियों ने इस्तीफा सौंपा। हालांकि रायपुर एनएचएम कर्मचारियों के इस्तीफे को लेकर सीएमएचओ डॉ. मिथिलेश चौधरी ने कहा कि ज्ञापन लिया गया है, लेकिन इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने 3 सितंबर को 25 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। इसमें एनएचएम संविदा कर्मचारी संगठन के प्रदेश संरक्षक हेमंत सिन्हा और महासचिव कौशलेश तिवारी के नाम भी शामिल हैं। इसके बाद से एनएचएम कर्मियों का विरोध प्रदर्शन भी तेज हो गया है। स्वास्थ्य सेवाएं ठप होने की कगार पर हैं।

सरकार दबाव बना रही है

इस कार्रवाई पर एनएचएम संविदा कर्मचारियों का कहना है कि, सिस्टम दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। बातचीत के रास्ते शासन-प्रशासन स्तर पर बंद कर दिए गए हैं। ऐसे में प्रोटेस्ट ही एक मात्र विकल्प है, जो जारी रहेगा।

भूलन सिंह मरावी के आतिथ्य में संपन्न हुआ खंड स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह

छ.ग.फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। विकासखंड मुख्यालय स्थित मंगल भवन में खंड स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मरावी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में सेवा निवृत्त शिक्षकों के साथ वर्ष 2026 के लिए राज्यपाल पुरस्कार के लिए चयनित दो शिक्षकों का भी सम्मान किया गया। देश पूर्व राष्ट्रपति प्रख्यात शिक्षाविद सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित खंड स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट और उल्लेखनीय कार्य करने वाले जो शिक्षक आज सम्मानित हुए उन शिक्षकों से सभी शिक्षकों को प्रेरणा लेने की जरूरत है। सभी शिक्षकों को इस बात पर चिंतन करने की आवश्यकता है कि

क्या कारण है कि विकासखंड में पदस्थ हजारों शिक्षकों में से कुछ चुनिंदा शिक्षक ही सम्मानित हो रहें हैं। विधायक ने कहा कि देश का भविष्य गढ़ने वाले हमारे शिक्षकगणों का देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। आने वाले 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का जो संकल्प हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिया है उस संकल्प को पूरा करने में भी गुरू जनों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। सभी शिक्षक शिक्षिकाएं बच्चों का भविष्य गढ़ने में कोई भी कोताही नहीं बरतें, उनमें शैक्षणिक योग्यता के साथ साथ नैतिक शिक्षा देकर एक अच्छा नागरिक बनाने में अपना पूरा योगदान देंगे। कार्यक्रम को भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन सिंह व जनपद अध्यक्ष गुलाब सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में सेवा निवृत्त शिक्षकों को साल श्रीफल से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नन्ही बच्चियों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किए गए। सेवा निवृत्त शिक्षकों ने भी गुरू की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए अपने अपने शिक्षकिय जीवन के अनुभव साझा किए। समारोह में जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि राजलाल राजवाड़े, जिला पंचायत सदस्य हेमलता राजवाड़े, पूर्व मंडल अध्यक्ष सत्यनारायण दुबे, विधायक प्रतिनिधि संत साहू, भाजपा जिला मंत्री दीपक गुप्ता, महामंत्री सौभाग्य दुबे, सुमित साहू, विकास दुबे, जनपद सदस्य मानिकचंद्र अनिता सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष जयप्रकाश उपाध्याय, पूर्व महामंत्री सुमंत साहू देवनगर, मंडल महामंत्री दौलत प्रताप सिंह, बीईओ डी एस लकड़ा, एबीईओ मनोज साहू, बीआरसीसी मनोज जायसवाल, बीआरपी रविनाथ तिवारी, मंडल संयोजक अशोक उपाध्याय, सहित बड़ी संख्या में शिक्षक शिक्षिकाएं, जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्यजन उपस्थित थे।

सनवाल त्रिशूली मार्ग पर सड़क हादसे में मासूम की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन

बलरामपुर। लोक निर्माण विभाग के द्वारा रामचंद्रपुर विकासखंड के ग्राम सनवाल त्रिशूली मार्ग पर ठेकेदार के माध्यम से सड़क निर्माण का कार्य कराया जा रहा है इस दौरान ग्रेडर मशीन चालक की लापरवाही से 3 वर्षीय मासूम की मौत हो गई वही दादा का पैर टूट गया। घटना से त्रिशूली ग्राम में शोक की लहर है वही परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार ग्राम त्रिशूली के नंदलाल गुप्ता उम्र 45 वर्ष अपने माँ लालो, देवी उम्र 65 वह नाती आकर्ष उम्र 3 वर्ष के साथ उत्तर प्रदेश के घघरा से वापस अपने गांव आ रहे थे इसी दौरान त्रिशूली अपने घर पहुंचने

के 1 किलोमीटर पीछे गंगा पंडो के घर के पास लोक निर्माण विभाग के द्वारा ठेकेदार के माध्यम से सड़क का निर्माण कराया ज रहा है जहा ग्रेडर मशीन चल रहा था जिसे देखकर नंदलाल गुप्ता के द्वारा अपना बाइक रोक दिया गया एवं ग्रेडर के किनारे होने का इंतजार किया जाने लगा परंतु लापरवाही पूर्वक ग्रेडर पीछे आने लगा तो उसे देखकर वहीं खड़े इब्राहिम एवं पोकलेन ड्राइवर के द्वारा आवाज दी गई परंतु ग्रेडर चालक के द्वारा अनसुना करते हुए गाड़ी पीछे किया एवं ग्रेडर के चपेट में नंदलाल एवं उसका पोता आ गया जिसे तुरंत मौके पर दौड़कर महेंद्र साव, इब्राहिम के द्वारा बाहर निकला गया परंतु कुछ देर बाद ही बच्चे की मौत हो गई वहीं नंदलाल गुप्ता का पैर टूट गया जिन्हें सनवाल अस्पताल ले जाया गया। सनवाल थाना प्रभारी गजपति मिर्रे ने बताया कि ग्रेडर मशीन चालक राजेश जायसवाल के विरुद्ध भारतीय न्याय विधान की धारा 106 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है ग्रेडर चालक अभी फरार है।

स्थानीय लोगों ने की कार्रवाई की मांग

चालू सड़क में लोक निर्माण विभाग के द्वारा ठेकेदार के माध्यम से निर्माण कार्य कराया जा रहा है परंतु सुरक्षा के लेकर कोई इंतजाम नहीं किए गए जिससे मासूम की जान गई स्थानीय लोगों ने ठेकेदार एवं विभाग के जिम्मेवार लोगों के विरुद्ध भी कार्रवाई की मांग की।

डीजीजीआई ने जारी किया मोक्षित कारपोरेशन को 28 करोड़ के अनुचित आईटीसी का नोटिस जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन

रायपुर। जीएसटी इंटेलिजेंस की जांच में मोक्षित कारपोरेशन का एक और मामला उजागर हुआ है। जांच में कंपनी और उससे जुड़ी 85 फर्मों ने फर्जी इनवॉइस के जरिए बड़े पैमाने पर कर चोरी की। जांच पूरी होने के बाद डायरेक्टर जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस (डीजीजीआई) ने 162.22 करोड़ रुपये के कर योग्य मूल्य पर 28.46 करोड़ रुपये के अनुचित इनपुट टैक्स क्रेडिट का नोटिस जारी किया है। इसके पुर्व भी कंपनी पर करोड़ों के घोटाले का आरोप लगा था।

फरवरी 2024 से शुरू हुई जांच

जांच फरवरी 2024 में शुरू हुई

थी। इसके दौरान छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में कई फर्मों के ठिकानों पर तलाशी और निरीक्षण किया गया। जांच में खुलासा हुआ कि फर्म के पार्टनर शशांक चोपड़ा ने अपने रिश्तेदारों के नाम पर दर्जनों फर्जी फर्में बनाई थीं। इन्हीं फर्मों के जरिए अनुचित आईटीसी का दुरुपयोग किया गया और मनी लॉन्ड्रिंग जैसी गतिविधियां चलाई जाती रहीं।

200 से अधिक बैंक खातों का इस्तेमाल

डीजीजीआई के अनुसार, इन अवैध गतिविधियों के लिए 200 से अधिक बैंक खातों का इस्तेमाल किया गया। जांच के बाद मोक्षित कारपोरेशन से 28.46 करोड़ रुपये कर की मांग की गई है। इसके अलावा संबद्ध 85 फर्मों को दंडात्मक नोटिस भी जारी की गई है।

गिरफ्तारी और अन्य एजेंसियों की कार्रवाई

इस मामले में एसीबी और ईओडब्ल्यू ने कार्रवाई करते हुए शशांक चोपड़ा को पहले ही गिरफ्तार किया था। वहीं प्रवर्तन निदेशालय रायपुर भी इस मामले में सक्रिय है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोझा में मनाया गया शिक्षक दिवस

छ.ग.फ्रंटलाइन

बोझा। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोझा विकासखंड प्रतापपुर जिला सूरजपुर में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर उन्हें याद किया गया तथा मां सरस्वती की छायाचित्र पर पुष्प अर्पित किया गया। विद्यालय में नव पदस्थ प्राचार्य अकबर कुरैशी के द्वारा डॉक्टर राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डाला गया, कुरैशी जी ने कहा कि गुरु शिष्य परंपरा पुरातन काल से चली आ रही है विद्यालय एक परिवार है और समस्त शिक्षकों के अमूल्य योगदान से ही छात्रों के भविष्य का निर्माण होता है, एकलव्य के गुरु शिष्य कहानी के माध्यम से शिक्षकों के प्रति विद्यार्थियों का

सम्मान उनके कृतज्ञता के भाव को व्यक्त किया। विद्यालय के व्याख्याता संतोष भारती ने कहा कि शिक्षक में जब गुरुत्व आ जाए तो वह पूर्ण हो जाता है। शिक्षक हमेशा गुरु के स्तर को प्राप्त करना चाहता है, इसलिए उसे समाज में श्रेष्ठ और आदर्श सम्मान प्राप्त होता है। विद्यार्थीयों का प्रथम विकल्प शिक्षक बनना होना चाहिए और शिक्षक चयन के लिए भारतीय शिक्षा सेवा-भाव होना चाहिए। व्याख्याता एल पी तिवारी ने कहा कि शिक्षक का स्थान समाज में ईश्वर के समान मिलता है, शिक्षक अनुशासन से विद्यार्थियों को पोषण और मार्गदर्शन करते हैं, और एक शिक्षक मोमबत्ती की तरह से जलकर बच्चों के सुनहरे भविष्य को उज्जवल बनाते हैं विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं को छात्र-छात्राओं के द्वारा पुष्प गुच्छ और अंग वस्त्र देकर सम्मानित करते हुए डायरी और पेन भेट स्वरूप प्रदान किया गया। इस पर संस्था के व्याख्याता आलोक लकड़ा ने अपने उद्बोधन में समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं को शिक्षक दिवस की शुभकामना देते हुए कहा कि गुरु अपने ज्ञान और मार्गदर्शन से शिष्य को उचित दिशा प्रदान कर भविष्य निर्माण करते हैं, व्याख्याता हिमा खलखो ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने हेतु प्रेरित किया इस अवसर पर सभी शिक्षक शिक्षकों को उनके विशिष्ट सेवा एवं योगदान के लिए सम्मानित किया साथ ही छात्र-छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की, कार्यक्रम का सफल संचालन एल पी तिवारी एवं आलोक लकडा के निर्देशन में किया गया। इस दौरान संस्था के समस्त शिक्षक शिक्षिका प्राचार्य सहित एस एम डी सी अध्यक्ष धनेश्वर राजवाड़े सरपंच कमलेश सिंह सांसद प्रतिनिधि समय लाल मिश्रा सहित विद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सम्पादकीय

क्या ट्रंप टैरिफ वापस लेंगे?

एप्पल ने भारत से 67,000 करोड़ रुपए कमाए हैं। अमेजन ने 40,000 करोड़ रुपए कमाए हैं। गूगल ने 22-23,000 करोड़ रुपए बनाए हैं और मेटा ने भी लगभग इतनी ही कमाई की है। ये सभी अमरीकी कंपनियां हैं और भारत उनका सबसे बड़ा बाजार है। भारत में इनके प्लांट भी सक्रिय होंगे अथवा स्थापित होने की प्रक्रिया में होंगे! ऐसी कई और अमरीकी कंपनियां होंगी, जो भारत में व्यापार कर रही हैं और मोटा मुनाफा कूट रही हैं। इन कंपनियों के सबसे अधिक ग्राहक और उपयोगकर्ता भी भारत में हैं। यह मुनाफा अमरीका में ही जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप अब भारत के बारे में क्या सोच रहे हैं? चूंकि अमरीकी कंपनियां भारत में उत्पादन कर रही हैं और माल अमरीकी बाजार में जा रहा है, क्या राष्ट्रपति ट्रंप इन उत्पादों पर भी 50 फीसदी टैरिफ थोपेंगे? बल्कि ट्रंप हररोज टैरिफ पर सफाई दे रहे हैं। भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के सूत्रों का मानना है कि राष्ट्रपति ट्रंप 100 दिनों के अंतराल में टैरिफ पर पुनर्विचार कर अपने फैसले को वापस ले सकते हैं, लिहाजा उन्होंने सर्वोच्च अदालत से आग्रह किया है कि वह टैरिफ मामले पर यथाशीघ्र सुनवाई कर उसे वैध करार दे। अदालत नवंबर माह में सुनवाई शुरू करेगी, यह पहले से ही तय है। राष्ट्रपति ट्रंप इसलिए भी चिंतित हैं, क्योंकि दुनिया दो ध्रुवों के बीच बंटती जा रही है और अमरीका को शीत युद्ध एक बार फिर शुरू होने की आशंका है। अमरीका की ताकत भी बंटती जा रही है। अब देश अमरीका की दादागीरी मानते रहने को तैयार नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप और अमरीकी मंत्री अब भी भारत को अपना परम मित्र मानते हैं। अमरीकी विशेषज्ञ भी मानते हैं कि देश के राष्ट्रपतियों ने दशकों की मेहनत, कूटनीति, दूरदर्शिता और देशों की लामबंदी के जरिए जो ताकत अर्जित की थी और अमरीका को सबसे बड़ी 25 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था तक पहुंचाया था, राष्ट्रपति ट्रंप उस पर पानी फेर रहे हैं। भारत को 50 फीसदी टैरिफ से अमरीका ने दबाव में लाने की रणनीति बनाई, लेकिन भारत दूसरे ध्रुव पर रूस और चीन के साथ मिल गया।

उसके समर्थन में 50 अन्य देश, ब्रिक्स और एससीओ के देश आ खड़े हुए। भारत के वाणिज्य-उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक साक्षात्कार में खुलासा किया है कि भारत का ऑस्ट्रेलिया और ओमान के साथ व्यापार का करार शीघ्र ही होने जा रहा है। भारत की 50 अन्य देशों के साथ भी निर्यात की संभावनाओं पर बातचीत जारी है। अमरीका के साथ भी नवंबर तक व्यापार-समझौता होना लगभग तय है। भारत आगामी दो सालों के भीतर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन सकता है। सवाल यह है कि ट्रंप को भारत से दिक्कत है अथवा रूस और चीन से? भारत ने पलट कर अमरीका पर कोई टैरिफ नहीं थोपा है। अमरीकी कंपनियां भारत की सार्वजनिक और निजी कंपनियों से अरबों डॉलर के करार कर रही हैं। अमरीकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे अधिकारी ने अमरीका में मंदी की संभावनाओं को लेकर राष्ट्रपति को सचेत किया है। ऐसे भी विश्लेषण सामने आए हैं कि एक-तिहाई उद्योग पहले से ही आर्थिक संकट झेल रहे हैं। ऐसे में भारत के साथ कारोबार कम क्यों किया जा रहा है? टैरिफ का कोई औचित्य नहीं है, क्योंकि रूस के साथ भारत, चीन के अलावा अमरीका और यूरोपीय देश भी तेल और गैस का धंधा कर रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप को आरोप लगाने की अपनी आदत को सुधारना चाहिए। उन्होंने अब चीन पर आरोप चस्पां किया है कि वह अमरीका के खिलाफ साजिश रच रहा है। दरअसल बदलते वैश्विक परिदृश्य में अमरीका अकेला पड़ता जा रहा है। अच्छे संबंधों को सिर्फ टैरिफ तक सीमित कर देखना ट्रंप और अमरीका के लिए नुकसानदायक होगा। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जब शीत युद्ध शुरू हुआ था, तब भी भारत दोनों ध्रुवों से अलग, अपनी गुटनिरपेक्षता के लिए, मजबूती से खड़ा था। बहरहाल जो भी निर्णय लेना है, राष्ट्रपति ट्रंप और अमरीका को लेना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले से देशवासियों के साथ जो वादा किया था, वह साकार हो रहा है। वाकई इस बार दीपावली और अन्य त्योहारों पर 'दोहरा तोहफा' मिल गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद ने 'सुधारों के उपहार' को स्वीकृति दे दी है। इससे महंगाई पर कड़ा प्रहार होगा। मध्यम वर्ग उत्पादों की खरीदी पर पैसा खर्च करेगा और मांग बढ़ने से निजी निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे 47000 करोड़ रुपये के सालाना राजस्व नुकसान के बावजूद बाजार की गतिविधियों में तेजी आएगी और अर्थव्यवस्था को जिस तरह रफ्तार मिलेगी, उससे तात्कालिक नुकसान की सरलता से भरपाई हो सकेगी। निश्चित रूप से आम आदमी व मध्यमवर्गीय लोगों को कीमतों में राहत मिलेगी और लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी और बाजार में नकदी प्रवाह भी बढ़ेगा। जो छोटे उद्योग ट्रंप टैरिफ के कारण निर्यात घटने को लेकर चिंतित हैं, उन्हें घरेलू उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग से बड़ा सहारा मिलेगा। इतना ही नहीं, जीएसटी घटने से औद्योगिक उत्पादन बढ़ेगा और मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर से लेकर सर्विस सेक्टर तक मांग का बढ़ता हुआ नया अध्याय दिखाई देगा। जीएसटी सुधार से होने वाला प्रभावों का विश्लेषण करता आजकल का विशेष अंक।

त्योहारों से पहले जीएसटी का उपहार

विश्लेषण

राजेश माहेश्वरी

स्वतंत्र पत्रकार

इस बार त्योहारों पर 'दोहरा तोहफा' मिलल रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद ने 'सुधारों के उपहार' को स्वीकृति दे दी है। अब 22 सितंबर के बाद से आम आदमी, महिलाएं, पुरुष, युवा और औसत घर लाभान्वित होंगे। इस तारीख से 'शारदीय नवरात्र' भी आरंभ हो रहे हैं। सभी का मासिक खर्च कम होगा तो बचत बढ़ेगी। वह बचत बाजार और औसत खपत में खर्च होगी। इससे एफएमसीजी (तेजी से बिकने वाली उपभोक्ता वस्तुएं), खुदरा और ऑटोमोबाइल आदि कई क्षेत्रों में घटे दामों पर उपभोक्ता-मांग में बढ़ोतरी होगी। विनिर्माण से लेकर सेवा क्षेत्रों में वृद्धि होगी। मांग और खरीद बढ़ेगी, तो उत्पादन भी बढ़ेगा। अततः देश की अर्थव्यवस्था ही फलेगी-फूलेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले से देशवासियों के साथ जो वादा किया था, वह साकार होने की प्रक्रिया में है। वाकई इस बार दीपावली और अन्य त्योहारों पर 'दोहरा तोहफा' मिलेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद ने 'सुधारों के उपहार' को स्वीकृति दे दी है। अब 22 सितंबर के बाद से आम आदमी, महिलाएं, पुरुष, युवा और औसत घर लाभान्वित होंगे। इस तारीख से 'शारदीय नवरात्र' भी आरंभ हो रहे हैं। सभी का मासिक खर्च कम होगा, तो बचत बढ़ेगी। वह बचत बाजार और औसत खपत में खर्च होगी। इससे एफएमसीजी (तेजी से बिकने वाली उपभोक्ता वस्तुएं), खुदरा और ऑटोमोबाइल आदि कई क्षेत्रों में घटे दामों पर उपभोक्ता-मांग में बढ़ोतरी होगी। विनिर्माण से लेकर सेवा क्षेत्रों में वृद्धि होगी। मांग और खरीद बढ़ेगी, तो उत्पादन भी बढ़ेगा। अंततः देश की अर्थव्यवस्था ही फलेगी-फूलेगी।

आर्थिक चुनौतियों से निपटने का कदम

भारत में इनडायरेक्ट टैक्स में किया गया बड़ा बदलाव नई आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए एक बेहतर कदम है। वैसे तो नई कर प्रणाली यानी जीएसटी के स्लैब में वर्ष 2017 में इसके लागू होने के बाद से कई परिवर्तन किए गए हैं लेकिन, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद ने हाल ही में जो फैसले किए, वे कई मायनों में अहम कहे जाएंगे। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद से ही वैश्विक व्यापार में बड़ी उथल-पुथल चल रही है। ट्रंप ने खास तौर पर भारत को निशाना बनाया है, जिसके कारण कारोबारी तनाव में हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होने की आशंका है। ऐसे में देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर को देखते हुए टैक्स स्लैब में सुधार काफी जरूरी थे। वैसे भी चार तरह के टैक्स स्लैब के कारण जीएसटी प्रणाली का मूल उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा था।

रोजगार का मोर्चा संभालना भी जरूरी

उम्मीद की जा रही है कि टैक्स में छूट से घरेलू खपत बढ़ेगी जिससे 'ट्रंप टैरिफ' से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकेगा। रोटी, कपड़ा और घर के रोजमर्रा के सामान पर जीएसटी 12 फीसदी से घट कर 5 फीसदी और इलेक्ट्रॉनिक्स के सामान पर कर 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी हो जाएगा तो यकीनन आम आदमी राहत महसूस करेगा। महंगाई पहले से ही नियंत्रण में है।

यदि प्रधानमंत्री रोजगार के मोर्चे पर भी स्पष्ट योजनाओं की घोषणा कर दें तो यह देश और भी संपन्न होगा। यदि देश संपन्न होगा और खर्च का माद्दा बढ़ेगा, तो अर्थव्यवस्था भी व्यापक होगी और भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। वैसे जर्मनी और भारत की अर्थव्यवस्था के बीच बहुत कम फासला शेष है, लिहाजा हमारा तीसरी 'आर्थिक महाशक्ति' बनना तय है। जीएसटी 2.0 सुधारों के तौर पर आठ लंबे सालों के बाद 'ऐतिहासिक बदलाव' है। उसकी प्रक्रिया को आसान बनाया गया है, नतीजतन करोड़ों व्यापारी और खुदरा-व्यवसायी लाभान्वित होंगे। अब कारोबारियों को टैक्स से जुड़े नियमों और कानूनों पर कम खर्च करना पड़ेगा। वे ग्राहक और नवाचार पर अधिक फोकस कर सकेंगे। बताया जा रहा है कि देश में कर घटाने से 2 लाख करोड़ रुपये तक की खपत बढ़ सकती है।

दवाओ पर कर हटाना बहतर कदम

इसका फायदा छोटे उद्यमों को ज्यादा होगा। आम आदमी और ग्राहकों को मिलने वाले उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार होगा।

उम्मीद की जा रही है कि टैक्स में छूट से घरेलू खपत बढ़ेगी जिससे 'ट्रंप टैरिफ' से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकेगा। रोटी, कपड़ा और घर के रोजमर्रा के सामान पर जीएसटी 12 फीसदी से घट कर 5 फीसदी और इलेक्ट्रॉनिक्स के सामान पर कर 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी हो जाएगा तो यकीनन आम आदमी राहत महसूस करेगा। महंगाई पहले से ही नियंत्रण में है। यदि प्रधानमंत्री रोजगार के मोर्चे पर भी स्पष्ट योजनाओं की घोषणा कर दें तो यह देश और भी संपन्न होगा। यदि देश संपन्न होगा और खर्च का माद्दा बढ़ेगा, तो अर्थव्यवस्था भी व्यापक होगी और भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। वैसे जर्मनी और भारत की अर्थव्यवस्था के बीच बहुत कम फासला शेष है, लिहाजा हमारा तीसरी 'आर्थिक महाशक्ति' बनना तय है। जीएसटी 2.0 सुधारों के तौर पर आठ लंबे सालों के बाद 'ऐतिहासिक बदलाव' है। उसकी प्रक्रिया को आसान बनाया गया है, नतीजतन करोड़ों व्यापारी और खुदरा-व्यवसायी लाभान्वित होंगे।

आम आदमी को राहत, आर्थिकी को रफ्तार

जीएसटी

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री

हाल ही में 3 सितंबर को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 56वीं बैठक में महंगाई से आम आदमी को राहत देने, ट्रंप टैरिफ से जूझ रहे उद्योग-कारोबार को गति देने और देश की आर्थिक रफ्तार बढ़ाने के मद्देनज़र जीएसटी ढांचे और जीएसटी दरों में आमूल सुधार करने के लिए प्रभावी निर्णय लिए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में दिवाली से पहले उपहार के रूप में जीएसटी के नए राहतकारी सुधारों का ऐलान किया गया था। अब जीएसटी परिषद ने अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों पर मुहर लगा दी है।

व्यापार करने में होगी आसानी

इस अहम कर सुधार पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जीएसटी में बदलाव के फैसलों से आम जनता, किसानों, एमएसएमई, मध्यम वर्ग महिलाओं और युवाओं को लाभ होगा। यह एक ऐतिहासिक बदलाव है। ये व्यापक सुधार नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाएंगे और खासतौर से छोटे व्यापारियों और कारोबारों के लिए व्यापार करने में आसानी सुनिश्चित करेंगे। खास बात यह है कि जीएसटी की नई दर व्यवस्था 22 सितंबर, नवरात्र के पहले दिन से लागू होगी। जीएसटी सुधारों का देश के शेयर बाजार ने स्वागत किया है और उम्मीद है कि आगामी दिनों में शेयर बाजार में जीएसटी में सुधार के ऐलान से नया जोश दिखाई देगा।

गौरतलब है कि 1 जुलाई 2017 से देशभर में लागू जीएसटी पर जीएसटी परिषद ने विगत वर्षों में व्यापक मूल्यांकन और विश्लेषण के बाद जीएसटी में सरलता और नए जीएसटी ढांचे के रोडमैप को मंजूरी दी है। जीएसटी परिषद ने मौजूदा चार टैक्स स्लैब 5 फीसदी, 12 फीसदी, 18 फीसदी और 28 फीसदी में बदलाव करते हुए इन्हें घटाकर 5 फीसदी और 18 फीसदी स्लैब वाले दो-स्तरीय जीएसटी को मंजूरी दी है।

सुधारों के तीन बड़े आधार

हालांकि अहितकर वस्तुओं की श्रेणी में आने वाली कुछ वस्तुओं पर 40 फीसदी कर स्लैब लागू होगा। अब जीएसटी सुधारों के तीन बड़े आधार हैं। एक, स्ट्रक्चरल सुधार, इसमें टैक्स ढांचे को और बेहतर किया गया है। दो, टैक्स दरों को तर्कसंगत बनाया गया है, ताकि जरूरी वस्तुएं सस्ती हों तथा तीन, नए रजिस्ट्रेशन, रिफंड को आसान बनाया गया है। इससे इनपुट और आउटपुट टैक्स रेट्स में संतुलन आएगा। जीएसटी के रजिस्ट्रेशन से लेकर पालन प्रतिवेदन की प्रक्रिया भी आसान की गई है।

टैक्स रिटर्न में नहीं होंगी दिक्कतें

कारोबारी अब सिर्फ तीन दिन में जीएसटी पोर्टल पर अपना पंजीयन करा सकेंगे। उन्हें 7 दिनों में रिफंड देने की व्यवस्था होगी। कच्चे माल और तैयार माल की दरों में भिन्नता होने के कारण इनपुट टैक्स रिटर्न में होने वाली दिक्कतों को भी समाप्त कर दिया गया है। यह बात महत्वपूर्ण है कि जीएसटी दरों में नए बदलाव से वर्तमान में 12 फीसदी जीएसटी वाली लगभग 99 फीसदी वस्तुएं अब पांच फीसदी के स्लैब में आ जाएंगी।

जबकि 28 फ़ीसदी टैक्स वाली लगभग 90 फीसदी वस्तुएं 18 फीसदी के स्लैब में आ जाएंगी। इसके अलावा रोटी, परांठे, कैंसर समेत 33 जीवन रक्षक दवाओं पर अब जीएसटी नहीं लगेगा। लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस पूरी तरह से जीएसटी मुक्त हो गए हैं। अभी इन पर 18 फीसदी जीएसटी लगता है। सभी ऑटो पार्ट्स पर जीएसटी 18 फीसदी होगा। सीमेंट और तिपहिया वाहनों पर यह अब 28 फीसदी से घटकर 18 फ़ीसदी हो गया है। इससे अब घर बनाना भी सस्ता हो जाएगा। निश्चित रूप से नए बदलाव से आम आदमी से लेकर किसान और छोटे उद्योगों के इस्तेमाल में आने वाली सैकड़ों वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी। उल्लेखनीय है किजीएसटी के सुधारों से घरेलू खपत में जोरदार तेजी आएगी।

निजी निवेश को बढ़ावा मिलेगा

मध्यम वर्ग उत्पादों की खरीदी पर पैसा खर्च करेगा और मांग बढ़ने से निजी निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार को भी उम्मीद है कि 47000 करोड़ रुपये के सालाना राजस्व नुकसान के बावजूद बाजार की गतिविधियों में तेजी आएगी और अर्थव्यवस्था को जिस तरह रफ्तार मिलेगी, उससे तात्कालिक नुकसान की सरलता से भरपाई हो जाएगी। निश्चित रूप से आम आदमी व मध्यमवर्गीय लोगों को कीमतों में राहत मिलेगी और लोगों की क्रय शक्ति बढ़गी और बाजार में नकदी प्रवाह भी बढ़ेगा।

जो छोटे उद्योग ट्रंप टैरिफ के कारण निर्यात घटने को लेकर चिंतित हैं, उन्हें घरेलू उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग से बड़ा सहारा मिलेगा। इतना ही नहीं, जीएसटी घटने से औद्योगिक उत्पादन बढ़ेगा और और मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर से लेकर सर्विस सेक्टर तक मांग का बढ़ता हुआ नया अध्याय दिखाई देगा।

रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

अनुमान है कि देश में जीएसटी घटने से करीब 2 लाख करोड़ रुपये की खपत बढ़ेगी और निर्यात को भी नई गति मिलेगी। मांग व उत्पादन बढ़ने से जीडीपी में भी वृद्धि होगी। रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी। वैश्विक स्तर पर भारत की इज ऑफ डूइंग रैकिंग भी सुधरेगी। इस परिप्रेक्ष्य में वैश्विक साख निर्धारण करने वाली एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग ने कहा कि निश्चित रूप से भारत में पिछले 5-6 वर्षों के दौरान जीएसटी सुधार बहुत सफल साबित हुए हैं। अब जीएसटी के दो स्लैब बनने से इसकी कार्यान्वयन और लेखांकन प्रक्रिया आसान हो जाएगी। इससे राहत और राजस्व दोनों की ऊंचाई बढ़ेगी।

उम्मीद करें कि 22 सितंबर से लागू होने वाली नई जीएसटी व्यवस्था और दो स्लैब वाली कर प्रणाली के तहत नए बदलाओं के कार्यान्वयन पर सरकार शुरुआत से ही इस तरह ध्यान देगी कि इन कानूनों की सरलता से देश के करोड़ों लोग लाभांवित हों और भ्रष्टाचार भी नियंत्रित हो। जीएसटी के तहत नए अहम कर सुधारों से करदाताओं की संख्या बढ़ाने, टैक्स जटिलता और मुकदमों में कमी लाने और टैक्स संग्रहण बढ़ाने में महत्वपूर्ण उपयोगिता मिलेगी।

देश का आर्थिक विकास होगा

जीएसटी सुधार से शुरुआती कुछ महीनों में जीएसटी संग्रह की राशि में जो कमी आ सकती है, उस कमी को आगामी महीनों में खपत बढ़ने से राजस्व वृद्धि पूरी करते हुए दिखाई देगी। जीएसटी में सुधारों से देश के उद्योग-कारोबार ट्रंप की टैरिफ चुनौतियों का मुकाबला करते हुए देश को आर्थिक रफ्तार देंगे और ऐसे में तेजी से बढ़ने वाला कर संग्रहण देश को वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में भी अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई देगा।

आर्थिक प्रगति का आधार बनेगा परिवर्तन

उम्मीद

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र पत्रकार

जीसटी परिषद् ने सर्वसहमति से महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली में नवीन उल्लेखनीय परिवर्तन किए हैं। इस अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था के अंतर्गत अब अधिसंख्य विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं (आपवादिक अहितकारी वस्तुयें व सेवायें छोड़कर) पर कर के क्रमशः 5 व 18 प्रतिशत के दो मूल्य संवर्ग बनाये गये हैं। महंगी कार, मोटरसाइकिल, पान मसाला, तंबाकू, सिगरेट, शीतल पेय (सॉफ्ट ड्रिंक्स), इत्यादि विलासी वस्तुओं तथा सेवाओं पर 40 प्रतिशत कर मूल्य की एक अन्य श्रेणी भी बनाई गई है। गत सप्ताह वर्ष 2025-2026 की अप्रैल-जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत मूल्य वृद्धि के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था की समृद्ध उपलब्धि के बाद अब जीएसटी परिषद् ने भारतवर्ष के प्रमुख त्योहारी माह से पूर्व जीएसटी संबंधी अनेक जनहितैषी कर-नीतियां बनाकर देश की अर्थव्यवस्था का भविष्य सुरक्षित करने का प्रयास किया है।

जीवन बीमा पॉलिसी में छूट

परिषद् के प्रमुख निर्णयों के अनुसार, अब व्यक्तिगत जीवन बीमा व स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी के प्रीमियम पर जीएसटी से छूट मिलेगी। रोटी, परांठे, पनीर, छेना, इत्यादि खाद्य उत्पादों पर जीएसटी शून्य होगी। सभी प्रकार के वाहनों के कलपुर्जों पर एकमात्र 18 प्रतिशत मूल्य का कर लगेगा। सभी टेलीविजन सेटों पर जीएसटी मूल्यांकन घटकर 18 प्रतिशत हो गया है। छोटी कारों व 350 सीसी तक की क्षमता वाली मोटरसाइकिलों पर भी 18 प्रतिशत कर लगेगा। सीमेंट का जीएसटी मूल्य 28 से घटकर 18 प्रतिशत हो जायेगा। हस्तशिल्प, संगमरमर, ग्रेनाइट पत्थर पर कर मूल्य 5 प्रतिशत होगा। केश तेल, साबुन, साइकिल पर भी 5 प्रतिशत ही कर लगेगा। जबकि पेट्रोल चालित 1200 सीसी से अधिक क्षमतावान कारों एवं 1500 सीसी से अधिक क्षमताधारी डीजल कारों, 350 सीसी से अधिक क्षमता की मोटरसाइकिलों, व्यक्तिगत उपयोग वाले विमानों, पान मसाला, तंबाकू उत्पादों, सिगनेट एवं शीतल पेय पदार्थों पर 40 प्रतिशत का विशेष कराधान होगा। हालांकि तीन सितंबर की जीएसटी परिषद् की बैठक से पूर्व विपक्षी दलों के शासन वाले आठ राज्यों के वित्त मंत्रियों ने भेंटवार्ता की थी, जिसमें उन्होंने संभावित 5 व 18 प्रतिशत की दो जीएसटी श्रेणियां बनाने तथा चली आ रही 12 व 28 प्रतिशत की कर श्रेणियां समाप्त करने के संबंध में आपत्तियां प्रकट की थीं।

राज्यों को आश्वासन

नके अनुसार नवीन कर श्रेणीयन के कारण राज्यों को राजस्व हानि उठानी पड़ सकती है। किंतु जीएसटी परिषद् में विपक्षी शासन वाले राज्यों की आपत्तियों पर विमर्श के उपरांत केंद्र ने अहितकारी व विलासिता युक्त वस्तुओं एवं सेवाओं पर कर को 40 प्रतिशत करने का निर्णय लिया। कुछ राज्य तो नई कर श्रेणियों के लागू होने पर राजस्व हानि की क्षतिपूर्ति चाहते थे, किंतु वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उन्हें आश्वस्त किया कि सामान्य जन की दैनिक आवश्यकताओं वाली

वस्तुओं व सेवाओं पर कर में 5 या शून्य प्रतिशत के अंकन द्वारा भारतीय बाजारों में मांग व खपत बढ़ेगी, जिससे कुछ ही समय में पुरानी जीएसटी कर श्रेणी के समाप्त होने से होनेवाला आर्थिक विचलन संतुलित हो जाएगा। नवीन जीएसटी कर श्रेणियों पर राजनीतिक दृष्टि के साथ किंतु-परंतु नहीं होना चाहिए। इसकी तुलना में यह देखा-समझा जाना चाहिए कि जिस समय संपूर्ण विश्व में आर्थिक मंदी की उठापटक चल रही है, उसी अवधि में भारत की जीडीपी वृद्धि दहाई के प्रतिशत मूल्य की ओर बढ़ रही है। देश में जीएसटी संरचना के साकार होने एवं हर तिमाही में नए ढंग से क्रियान्वित होने के बाद जीडीपी में नई कर श्रेणियों की घोषणा के बाद, इनके क्रियान्वयन से पूर्व केंद्रीय शासन को अग्रिम आकलन करते हुए संभावित अर्थहानियों का विचार सम्मुख रखना होगा। इस विचार की आवश्यकता इसलिये है क्योंकि इस वर्षा ऋतु में जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड तक के पर्वतों पर हो रही अतिवृष्टिकारी वर्षा ने न केवल इन तीनों पर्वतीय प्रांतों, अपितु पंजाब, राजधानी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान तथा अन्य प्रदेशों में भी विनाशक बाढ़ की परिस्थितियां उत्पन्न की हैं। अतः इन आठ-दस राज्यों के आपदाग्रस्त लाखों-करोड़ों लोगों के अनुसार तो आगामी त्योहारी समय में 5 व 8 प्रतिशत के कर-मूल्य द्वारा बाजारों में मांग एवं खपत बढ़ने की आशा नहीं की जानी चाहिए। केंद्र को इन राज्यों के लिए आपदा राहत राशि आबंटित करनी होगी, जो आगामी पांच-छह माह तक तो केंद्र पर अतिरिक्त भार ही होगा।जीएसटी कर-प्रणाली में हुआ नवप्रवर्तन का प्रभाव आगामी कुछ माह तक भारत के विभिन्न प्रांतों में पृथक-पृथक लाभ व हानि के अनुपात में होगा। लाभ-हानि की स्थितियां धीरे-धीरे ही दीर्घावधि में समग्र लाभ में परिणत होंगी। अधिक युवा जनसंख्या होने का लाभ भारत को हर स्थिति में मिलेगा। जीएसटी कर मूल्यों के दो संवर्ग बनाने का निर्णय भी युवा जनसंख्या की अतिसक्रियता को देखकर लाभकारी ही प्रतीत होता है। अर्थव्यवस्था के अनुरूप अनेक औद्योगिक, प्रौद्योगिक एवं सेवा क्षेत्र हैं जो लोगों की दैनिक इच्छाओं, विचारों, कार्यों व गतिविधियों के आधार पर बाजार की मांग व आपूर्ति निर्धारित करते हैं और ऐसे में जब अधिसंख्य घरेलू, सामान्य एवं दैनिक उपयोग की वस्तुओं के मूल्य में न्यून कर के कारण कमी होगी, तो निश्चित रूप में बाजार में उनकी मांग बढ़ेगी, और मांग बढ़ेगी तो आपूर्ति के लिये उद्योगों, प्रौद्योगों तथा सेवा इकाइयों के उत्पादन-सृजन में वृद्धि होगी। अर्थव्यवस्था के उन्नति, समृद्धि तथा प्रगति के लिये यही चक्र तो चाहिये होता है।

समृद्ध होगा बाजार

यह तो निश्चित है कि 5 और 18 प्रतिशत की कर-परिधि में आने वाली वस्तुओं का बाजार अधि जनसंख्या के अनुपात में अति समृद्ध होगा। खाद्यान्न, दूध, कृषि, वस्त्र, आवास निर्माण, परिवहन, इत्यादि मूलभूत आवश्यकताओं वाले क्षेत्रों की वस्तुओं एवं सेवाओं के मूल्य में कमी से बाजार में तेजी आयेगी ही आयेगी। राज्यों, लोकसेवकों, उद्योगों, व्यापारियों के लिये नई कर व्यवस्था का अनुपालन सुगम होगा। कर आकलन, मूल्यांकन, संग्रहण एवं अप्रत्याशित कराधान उलझनों के कारण उत्पन्न होनेवाले विवादों का समुचित निस्तारण हो सकेगा। अप्रत्यक्ष कर की दो श्रेणियों के कार्यकारी निष्पादन से पूर्व संभावित हानियों, जोखिमों, आपत्तियों के आकस्मिक उपाय भी किये गये हैं। एक अपीलीय पंचाट भी गठित किया गया है, जो सितंबर की समाप्ति से पूर्व ही कार्य करना आरंभ कर देगा। केंद्रीय शासन द्वारा जनहित की भावना को आगे रखकर किया गया जीएसटी का परिवर्तन, वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में भारत की सुदृढ़ आर्थिक प्रगति का सबसे बड़ा आधार बनेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अनुदेशकों को दिया नियुक्ति पत्र

प्रदेश को ईमानदारी से आगे बढ़ाएं

संवाददाता

लखनऊ, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लोकभवन में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आइटीआइ) में चयनित 1510 अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कुछ चुनिंदा अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया, जबकि सभी जिलों में आयोजित कार्यक्रम में सांसद और विधायक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया।

प्रदेश के सभी जनपदों में भी भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जहां सांसद एवं विधायकगण सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर युवाओं के सपनों को साकार करने के साक्षी बने। उत्तर प्रदेश सरकार ह्लसबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वासह्व के मंत्र के साथ निरंतर कार्यरत है। देश के सबसे अधिक युवाओं वाले प्रदेश की युवा आकांक्षाओं को देखते हुए उन्हें रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। रोजगार मेलों के माध्यम से भी प्रदेश में 1736 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिनमें 4.13 लाख से अधिक युवाओं को 2537 कंपनियों में नौकरी का अवसर मिला है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश को अनेक महानुभाव देने वाले प्रदेश को हमने बीमारू राज्य से उबारा। हमने प्रदेश के नौजवानों का साफ सुथरा मंच दिया, जिससे उत्तर प्रदेश की अलग पहचान बनी है। उत्तर प्रदेश वर्ष 2017 से पहले देश के विकास के योगदान देने के मामले में निचली पायदान पर था और अब सभी अग्रणी राज्यों को पीछे छोड़कर लगातार आगे बढ़ रहा है। अब उत्तर प्रदेश देश का ग्रोथ इंजन है और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में नियुक्त 1510 अनुदेशक ईमानदारी से काम पर प्रदेश को आगे बढ़ाने का काम करें।

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ चयन सेवा चयन आयोग की ओर से अनुदेशकों का परिणाम बीते दिनों घोषित किया गया था। इसमें 1510 अनुदेशकों का चयन हुआ। इस अवसर पर व्यावसायिक शिक्षा मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि यह अवसर न केवल चयनित अभ्यर्थियों के जीवन में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार करेगा। बल्कि, प्रदेश सरकार के इस संकल्प का भी प्रमाण है कि योग्यता के आधार पर पारदर्शिता के साथ युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण हर जिले में किया गया। इस मौके पर व्यावसायिक शिक्षा मंत्री कपिल देव अग्रवाल, कौशल विकास विभाग के प्रमुख सचिव डा. हरिओम सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

विनाशकारी बाढ़ से जूझ रहे राज्यों का दौरा करेंगे पीएम मोदी, लेंगे जमीनी हालात का जायजा

एजेंसी

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जल्द ही बाढ़ प्रभावित राज्यों का दौरा कर हालात का जायजा लेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। भारी बारिश से उत्तर भारत के कई राज्य बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। भारी बारिश और बाढ़ से सड़कों और संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा है तथा जनहानि भी हुई है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब जैसे राज्य सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि मोदी इनमें से कुछ क्षेत्रों का दौरा करेंगे और हालात का जायजा लेंगे। उनका दौरा ऐसे वक्त हो रहा है जब कुछ राज्य सरकारों ने संकट से निपटने के लिए केंद्र से वित्तीय सहायता की मांग की है।

हिमाचल प्रदेश में सबसे ज्यादा बाढ़ का खतरा

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के अनुसार, 20 जून से अब तक 355 मौतों के साथ हिमाचल प्रदेश सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। मूसलाधार बारिश के कारण भूस्खलन हुआ है, इमारतें ढह गई हैं और महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचा बह गया है, जिससे यह पहाड़ी राज्य वर्षों में अपने सबसे विनाशकारी मानसून से जूझ रहा है।

नदियों के उफान पर होने के कारण पंजाब में हाई अलर्ट

ब्यास, सतलुज, रावी और घग्गर जैसी नदियाँ खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिससे पंजाब में व्यापक बाढ़ का खतरा बना हुआ है। भाखड़ा, पौंग और रंजीत सागर सहित प्रमुख बांधों से नियंत्रित मात्रा में पानी छोड़े जाने से संकट और बढ़ गया है। सभी 23 जिलों के लगभग 1,650 गाँव जलमग्न हैं, जिससे 1.75 लाख एकड़ से ज्यादा कृषि भूमि जलमग्न हो गई है और धान की फसलें नष्ट हो गई हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में गुरदासपुर शामिल है, जहाँ 1.45 लाख निवासी प्रभावित हैं, इसके बाद अमृतसर, फिरोजपुर और फज़िल्का का स्थान आता है। पंजाब में 37 लोगों की मौत हो गई है, जबकि तीन लोग लापता हैं। राज्य सरकार ने 7 सितंबर तक सभी शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने का आदेश दिया है, क्योंकि सेना, वायु सेना, बीएसएफ और एनडीआरएफ द्वारा बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी है। गुजरात मूसलाधार बारिश से जूझ रहा है; राजस्थान बांध टूटने, कृषि नुकसान और बढ़ती मौतों से जूझ रहा है। आईएमडी ने गुजरात के लिए रेड अलर्ट जारी किया है क्योंकि पंचमहल, दाहोद और महिसागर जैसे मध्य जिलों में भारी बारिश हुई है, जिसके कारण बांध अधिकारियों को कडाना बांध से 4.5 लाख क्यूसेक पानी छोड़ना पड़ा है।

मौसम

अधिकतम तापमान 42.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

संसेक्स 82,530.74

निफटी 25,062.10

'टोटी चोर' कहने पर अखिलेश यादव की पार्टी भड़की

भाजपा विधायक केतकी सिंह को सपा ने मानहानि का नोटिस भेजा

संवाददाता

लखनऊ, समाजवादी पार्टी (सपा) ने उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के बांसडीह विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक केतकी सिंह को मानहानि का नोटिस जारी किया है। केतकी सिंह ने आरोप लगाया था कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने कार्यकाल के दौरान मुख्यमंत्री आवास से नल (टोटियाँ) चुराई थीं। एक यूट्यूब चैनल पर प्रसारित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लगाए गए इस आरोप ने दोनों दलों के बीच राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया। नोटिस में केतकी सिंह पर दुर्भावनापूर्ण मानहानि का आरोप लगाया गया है समाजवादी अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कन्हैया पाल द्वारा 5 सितंबर को भेजे गए इस नोटिस में कहा गया है कि केतकी सिंह के आरोप ₹झूठे₹, ₹भ्रामक₹ और ₹अपमानजनक₹ थे। नोटिस में उन पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की छवि खराब करने के इरादे से जानबूझकर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने का आरोप लगाया गया है। पाल ने विधायक से औपचारिक माफी माँगी और कहा कि इसे 15 दिनों के भीतर प्रमुख राष्ट्रीय समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जाए और उसी यूट्यूब चैनल पर प्रसारित किया जाए।

महाराष्ट्र में गणेश विसर्जन पर छाया मातम, करंट और पानी में डूबने से 5 की मौत

एजेंसी

मुंबई, रविवार को मुंबई में गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान बिजली का झटका लगने से 36 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पाँच अन्य अस्पताल में भर्ती हैं। यह घटना साकीनाका के खैरानी रोड पर सुबह करीब 10.45 बजे हुई, जब एक लटकता हुआ बिजली का तार गलती से गणपति की मूर्ति को छू गया। स्थानीय पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मूर्ति के पास खड़े छह श्रद्धालुओं को बिजली के झटके लगे।

स्थानीय लोगों ने घायलों को पास के निजी अस्पतालों में पहुँचाया, जबकि एक व्यक्ति को नगर निगम द्वारा संचालित सेवन हिल्स अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने बिनु सुकुमारन कुमारन (36) को मृत घोषित कर दिया। बाकी पाँच लोगों, सुभांशु कामत (20), तुषार गुप्ता (20), धर्मराज गुप्ता (49), करण कनौजिया (14) और अनुष गुप्ता (6) को पैरामाउंट अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उनकी हालत स्थिर बताई गई है। इसके अलावा महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में गणेश उत्सव के समापन के बाद मूर्तियों के विसर्जन के दौरान कम से कम चार लोग डूब गए और 13 अन्य लापता हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि पुणे जिले के चाकन क्षेत्र में तीन अलग-अलग घटनाओं में चार लोग अलग-अलग जलाशयों में बह गए। उन्होंने कहा कि दो लोग वाकी खुर्द में भामा नदी में और एक शेल पिंपलगांव में बह गया तथा एक अन्य व्यक्ति पुणे ग्रामीण के बिरवाड़ी में एक कुएं में गिर गया।

अधिकारी ने बताया कि चार लोगों में से दो के शव अब तक बरामद कर लिए गए हैं तथा अन्य दो की तलाश जारी है। नांदेड़ जिले के गडेगांव में एक नदी में तीन लोग बह गए। पुलिस ने बताया कि बाद में एक व्यक्ति को बचा लिया गया और अन्य दो की तलाश जारी है। उन्होंने बताया कि नासिक में चार लोग इसी तरह की त्रासदी का शिकार हुए और उनमें से एक का शव सिन्नार में बरामद किया गया।

पुलिस ने कहा कि जलगांव में अलग-अलग घटनाओं में तीन लोग बह गए और उनका पता लगाने के प्रयास जारी हैं। इसने बताया कि ठाणे जिले में मूर्ति विसर्जन के दौरान तीन लोग बह गए और अब तक एक शव बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, एक अन्य घटना में, अमरावती में विसर्जन के दौरान एक व्यक्ति के डूबने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में लगातार हो रही बारिश के कारण नदियां, झील और अन्य जल निकाय उफान पर हैं, जिसके कारण राज्य आपदा मोचन दल और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) को तैनात किया गया है।

हरियाणा में 1.69 लाख बाढ़ प्रभावित किसानों ने फसल नुकसान के दावे के लिए किया पंजीकरण: सैनी

एजेंसी

नई दिल्ली, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को कहा कि राज्य में 9.96 लाख एकड़ फसल के नुकसान के लिए क्षतिपूर्ति का दावा करने के लिए कुल 1.69 लाख किसानों ने वेब पोर्टल पर पंजीकरण कराया है। किसानों को जलभराव और हाल ही में आई बाढ़ से हुई फसल क्षति के लिए दावा दर्ज करने में सुविधा प्रदान करने को ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खुला रखा गया है।

पंजाब में जलस्तर थोड़ा कम होने से बाढ़ की स्थिति सुधरी

दो दिनों में बारिश का कोई पूर्वानुमान नहीं लेकिन तबाही बरकरार...

एजेंसी

नई दिल्ली, पंजाब में जलस्तर थोड़ा कम होने से बाढ़ की स्थिति सुधरी है आने वाले दो दिनों में भारी बारिश का कोई अनुमान नहीं है। हालाँकि भाखड़ा और पौंग बांधों से नियंत्रित मात्रा में पानी छोड़ना अभी भी चिंता का विषय है, भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष ने आश्वासन दिया है कि अत्यधिक पानी छोड़े जाने से आगे कोई खतरा नहीं होगा। इस बीच, पिछले दो दिनों में बाढ़ से तबाह राज्य में किसी और जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन 23 जिलों के 1948 गाँवों में प्रभावित 3.84 लाख लोग अभी भी बाढ़ से हुए नुकसान से उबरने की कोशिश कर रहे हैं। खड़ी फसलों के अलावा, कई लोगों ने अपने घर भी खो दिए हैं। आकाशवाणी संवाददाता की रिपोर्ट है कि पिछले गुरुवार को प्रधानमंत्री के निर्देश पर पंजाब के दौरे पर आए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पंजाब में आई भीषण बाढ़ के लिए अवैध खनन को ज़िम्मेदार ठहराया था। उन्होंने आश्वासन दिया कि केंद्र राज्य में राहत और पुनर्वास के लिए एक अल्पकालिक, मध्यम और दीर्घकालिक योजना तैयार करेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को भी पूरी गंभीरता से जमीनी स्तर पर काम करना होगा। पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस ने रविवार को कहा कि राज्य में बाढ़ के कारण हाल में बंद किये गए स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय नौ सितंबर से फिर से खुल जाएंगे। मंत्री ने कहा कि यदि कोई स्कूल या कॉलेज बाढ़ से प्रभावित होता है, तो उसे बंद करने का निर्णय संबंधित उपायुक्त द्वारा लिया जाएगा। पंजाब सरकार ने राज्य में दशकों की सबसे भीषण बाढ़ के मद्देनजर हाल में सभी स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों को सात सितंबर तक बंद करने का आदेश दिया था। रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में, बैंस ने कहा कि राज्य के सभी सरकारी, निजी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल, कॉलेज एवं विश्वविद्यालय फिर से खुलेंगे।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा (छ०ग०)

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक स्वतान साम निवासी कंचनपुर थाना अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर ने कराया है कि आवेदक के (दादाजी स्व-घोरटू आ. धोन्धला की दिनाक 05/07/1996 को स्थान निवास में हुई है।

आवेदक के मृत्यु उपरांत मृत्यु का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवश तक न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 01/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर, सरगुजा

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202509021200006/0

विषयः- अ-20(3)
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सन्नः-2024-2025
अंबिकापुर प.ह.न. 00015 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार-पवन कुमार अग्रवाल,
अनावेदक पक्षकार -प्रीति अग्रवाल,

ईश्तहार

आवेदक पवन कुमार अग्रवाल आ० जगदीश राय अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी 157 ब्लाक जी न्यू एयर पोर्ट कोलकत्ता बंगाल मुख्तारनामा आम रमन कुमार अग्रवाल आ० जगदीश राय अग्रवाल निवासी विवेकानंद वार्ड सेठ बसंतलाल मार्ग अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला बाबूपारा शीट नम्बर नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 3467/4866/116 रकबा 13200 वर्गफीट भूमि में से रकबा 4580=3600 वर्गफीट भूमि को अनावेदिका प्रीति अग्रवाल पत्नी अतुल कुमार गर्ग निवासी हाउस नम्बर 112 सदर रोड प्रेम सदन अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग के पास बिक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित आपित्त स्वप अथवा अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 24/09/2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 02/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पद मुद्रा से जारी। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02/09/2025 को जारी किया जाता है।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 2025090212660079/0

मामले की श्रेणीः- राजस्व
सन 2024-2025
विषयः- अ-20(3)
अंबिकापुर प.ह.न. 00015 [(हे०)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार- पवन कुमार अग्रवाल,
अनावेदक पक्षकार -मोनल अग्रवाल,

ईश्तहार

आवेदक पवन कुमार अग्रवाल आं० जगदीशराय अग्रवाल निवासी 157 बलक जी न्यू एयर पोर्ट कोलकत्ता पश्चिम बंगाल मुख्तारनामा आम रमन कुमार अग्रवाल आ० जगदीश राय अग्रवाल निवासी विवेकानंद वार्ड सेठ बसंत लात मार्ग अम्बिकापुर के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहत्ला बाबूपारा नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-9 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/116 रकबा 130200 वर्गफीट भूमि में से रकबा 4580 =1600 वर्गफीट भूमि को अनावेदक मोनल अग्रवाल पत्नी अमित कुमार गर्ग निवासी अग्रसेन वार्ड प्रेम सदन अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के पास विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित आपित्त स्वंय अथवा अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 24/09/2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 02/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पद मुद्रा से जारी। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02/09/2025 को जारी किया जाता है।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांक: 202509021200019/0

विषयः- अ-20(3)
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2024-2025
अंबिकापुर प.ह.न. 00015 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार- अभिषेक कुमार गोयल,
अनावेदक पक्षकार - अंकित अग्रवाल,

ईश्तहार

आवेदक अभिषेक कुमार गोयल आ० सुरेश कुमार गोयल उम्र लगभग 35 वर्ष जाति अग्रवाल निवासी जवाहर मार्केट नवापारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की नगर अम्बिकापुर मोहल्ला अस्पताल रोड सीट नम्बर-10 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 4173/1 कुल रकबा 0.12 एकड में से रकबा 0.06 एकड भूमि को अनावेदक क्रेता अंकित अग्रवाल आ० सुरेन्द्र अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी बिलासपुर चौक अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के पास विक्रय करने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित आपित्त स्वंय अथवा अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 26/9/2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 04/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पद मुद्रा से जारी। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज-दित्तांक 04/09/2025 को जारी किया जाता है।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईशतहार

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदकगण श्रीमती संगीता गुप्ता पति स्व. संतोष गुप्ता, संकल्प गुप्ता पिता स्व. संतोष गुप्ता, निवासी शीतला वार्ड, ब्रम्ह मंदिर के सामने अम्बिकापुर के द्वारा तदाशय का का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण के पति / पिता संतोष गुप्ता के स्वामित्व व अधिपत्य की मोहल्ला देवीगंज रोड नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नं. 477/4 रकबा 0.013/4 एकड़ भूमि स्थित है। भूमि के भूधारक संतोष गुप्ता की मृत्यु दिनांक 23.03.2024 को हो गई है। है। अतः भूधारक की मृत्यु हो जाने उपरांत उक्त भूमि के नजूल अभिलेख से उनका नाम विलोपित कर स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु आवेदक द्वारा भूधारक के मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 26.09.2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 25/08/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ०ग०)

//ईश्तहार//

क्रमांक/वाचक/2024 बैकुण्ठपुर दिनांक//2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं ग्रामवासी/नगरवासी ग्राम बैकुण्ठपुर को आम जनता को ईश्तहार के जरिए सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका वेबी बाई पिता/पति स्व० रामनारायण जाति घसिया निवासी कसरा तहसील बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया के के द्वारा स्व० रामनारायण निवासी कसरा का जन्म/ मृत्यु दिनांक 20/01/2023 को होने के कारण जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

आवेदक/आवेदिका द्वारा प्रस्तुत उक्त जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अभिभावक के माध्यग से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 25/09/2025 को 11:00 बजे तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त आपत्तियो पर कोई सुनवाई नहीं होगी। आज दिनांक 08/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया (छ०ग०)

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2024-25

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदिका श्रीमती मीना यादव पति श्री पांडव यादव, निवासी अखला पारा, शंकरगढ बचवार तह० शंकरगढ़ जिला बलरामपुर के द्वारा तदाशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिका के द्वारा अनावेदिका श्रीमती रश्मि दुबे पति श्री सतीश कुमार दुबे के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर मोहल्ला कम्पनी बाजार स्थित नजूल प्लॉट नं. 1323/13 रकबा 30*53= 1590 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र पंजीयन दिनांक 22.07.2025 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः आवेदक द्वारा उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर उक्त क्रयशुदा भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 24/09/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनाक- 19/08/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय सक्षम प्राधिकारी (व्यपवर्तन) एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा०) बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया (छ०ग०)

//उद्घोषणा//

सर्व साधारण ग्राम जिल्दा तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया की आगजनता को आवेदक बंशधारी आ० इद्रमन इस ईश्तहार के जरिये सूचित किया जाता है कि निवासी ग्राम जिल्दा तहसील पोंड़ी-बचरा जिला-कोरिया द्वारा ग्राम जिल्दा तहसील पोंक्षी बचरा स्थित भूमि ख०नं0 2198 रकबा 01400 हे० भूमि राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त दर्शित भूमि को औधोगिम प्रयोजन हेतु व्यपवर्तित कराना चाहता है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, खसरा, बी-1, नक्शा सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त भू-व्यपवर्तन में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 25/09/2025 को 11.00 बजे तक आपत्ति पेश कर सकते है। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई सुनवाई नही होगी। आज दिनांक 08/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा के अधीन जारी।

सक्षम प्राधिकारी (व्यपवर्तन)
एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
वैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ०ग०)

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, कार्यालय नगर पालिक निगम अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के पत्र क्रमांक 1585/न.पा.नि./लो.नि.वि./2025-26 अम्बिकापुर, दिनांक 14.08.2025 के द्वारा देवीगंज रोड़ स्थित शासकीय नजूल भू-खण्ड क्र. 523 रकबा 0.56 एकड़ एवं खसरा क्रमांक 524 रकबा 0.05 एकड़ भू-खण्ड को पार्किंग एरिया के रूप में प्रस्तावित करते हुये उक्त भूमि को नगर पालिक निगम अम्बिकापुर को आबंटित्त करने की मांग की गई ह। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- / /2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा / अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 01/09/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

बागी 4 में विलेन बनकर छा गए संजय

मुंबई। शुक्रवार को सिनेमाघरों में टाइगर श्रॉफ स्टारर फिल्म 'बागी 4' रिलीज हुई। इस फिल्म में संजय दत्त खूंखार विलेन के रोल में नजर आए। सोशल मीडिया पर फिल्म देखने के बाद यूजर्स ने रिएक्शन देना शुरू कर दिया है। फिल्म में टाइगर श्रॉफ मोहब्बत में हर हद पार करते हुए नजर आए। वहीं, विलेन के रोल में संजय दत्त छा गए। एक एक्स (ट्विटर) यूजर ने फिल्म देखने के बाद संजय दत्त की एक्टिंग की तारीफ की। यूजर ने लिखा, 'संजय दत्त एक जादू है, वह सिर्फ खलनायक का किरदार नहीं निभाते हैं, आपको उसके गुस्से, दर्द का अहसास भी कराते हैं। बागी 4 में संजय दत्त की फिल्म वास्तव की क्रूरता, भावनात्मकता की झलक भी मिलती है। टाइगर श्रॉफ की एक्शन फिल्म 'बागी 4' में संजय दत्त को सेंटर ऑफ अट्रैक्शन हैं। कई चर्चित कलाकार भी इस फिल्म का हिस्सा हैं, इसमें हरनाज कौर संधू, सोनम बाजवा, श्रेयस तलपड़े और सौरभ सचदेवा अहम किरदारों में दिखाई दिए।

लाइफ Style

अनन्या

मोतियों से जड़ी ड्रेस में दिखीं खूबसूरत

अनन्या पांडे ने सोशल मीडिया हैंडल पर अपना एक शानदार वीडियो शेयर किया है। अनन्या के यह लेटेस्ट लुक का मजाक उनके पिता चंकी पांडे ने अपनी राय पेश की है। अनन्या इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इसी बीच अनन्या ने अपना एक स्टाइलिश लुक में वीडियो सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है।

एजेंसी ▸▸ मुंबई

अनन्या का यह लुक उनके पिता चंकी पांडे को कैसा लगा, इस बात का खुलासा अनन्या ने खुद किया है। अनन्या पांडे ने आज इंस्टाग्राम पर अपना खास वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में अनन्या पहले मेकअप करती नजर आ रही हैं। बाद में अनन्या मोतियों से जड़ी ड्रेस में बेहद खूबसूरत दिखाई दे रही हैं। इस शानदार वीडियो के साथ अनन्या ने कैप्शन में लिखा, 'मेरे पिता जी (चंकी पांडे) यह नहीं कह रहे हैं कि मेरा ग्लैमर किसी कॉमेडी शो जैसा लग रहा है। यह वीडियो आपके लिए है।' सिंगर कनिका कपूर और अनन्या की मां भावना पांडे ने लाल दिल वाले स्माइली इमोजी बनाए हैं। निर्देशक प्रियंका कपाड़िया ने लिखा, हाहाहा, क्या हमें अपनी बातें बतानी चाहिए। एक फैन ने लिखा, मुझे बहुत पसंद आया, एक और फैन ने लिखा, नया हेयर स्टाइल अपना रही हैं अनन्या, क्या आपको ये हेयर स्टाइल पसंद है? एक फैन ने लिखा, बहुत पसंद आया। कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन समीर विदवान कर रहे हैं। इसका निर्माण करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस और नमः पिक्चर्स ने किया है। यह फिल्म अगले वैलेंटाइन पर सिनेमाघरों में 13 फरवरी 2026 को रिलीज होगी।

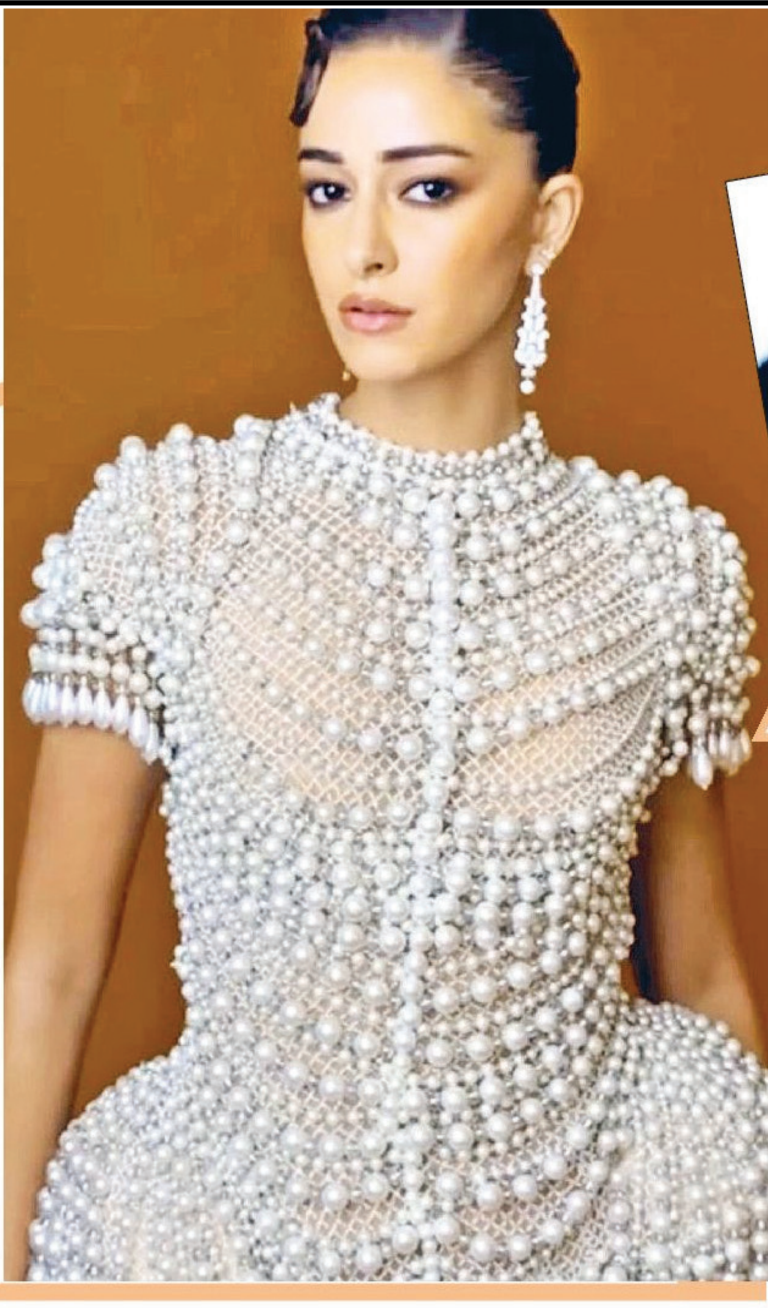

हॉलीवुड मसाला

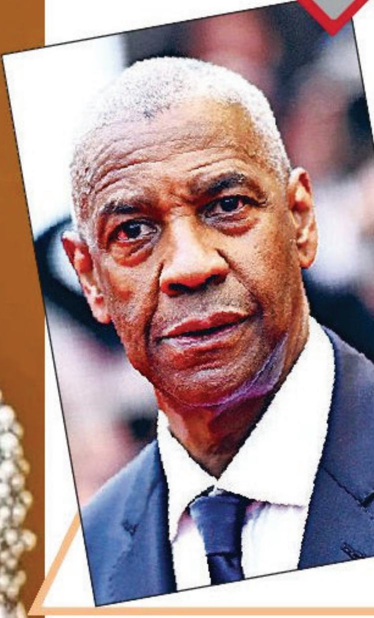

55 फिल्मों, 10 टीवी शोज में कर चुके हैं काम

लॉस एंजिल्स। डेनजेल वाशिंगटन उन सितारों में शुमार हैं, जिन्हें इंडस्ट्री में सबसे अधिक सम्मान मिलता है। अपने 6 दशक लंबे करियर में उन्होंने खुद को एक ऐसे अभिनेता के रूप में स्थापित किया है, जिसने दो ऑस्कर जीते हैं। कई पीढ़ियों को प्रेरित किया है। यह उनके कॅरियर की 55वीं फिल्म है। इसके अलावा वह लाइसेंस टू किल से ग्रेज एनाटॉमी' समेत 10 टीवी शोज में नजर आ चुके हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, डेनजेल वाशिंगटन की 55 रिलीज फिल्मों ने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 4.9 बिलियन डॉलर यानी 43178 करोड़ से अधिक का कारोबार किया है।

दर्शकों को कम डरा पा रही द कॉन्ज्यूरिंग 4

लॉस एंजिल्स। द कॉन्ज्यूरिंग यूनिवर्स का अंतिम भाग 'द कॉन्ज्यूरिंग: लास्ट राइट्स' शुक्रवार को थिएटर्स में रिलीज हुई। फिल्म को देखने के बाद एक्स पर यूजर्स प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। लोगों द्वारा फिल्म को मिले-जुले रिएक्शंस मिल रहे हैं। एक यूजर ने कहा, 'पूरी तरह से निराशाजनक है। हॉरर और थ्रिलर के प्रशंसकों के लिए इसमें कुछ भी नया या दिलचस्प नहीं है। यह समय की बर्बादी और एक बड़ी निराशा है।' इसके अलावा एक अन्य यूजर ने लिखा कि ये फिल्म अन्य भागों की तरह नहीं है। 'द कॉन्ज्यूरिंग' फिल्म के जितने भी पार्ट हैं, वो सच्ची घटनाओं पर आधारित हैं। इन फिल्मों में पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर एड और लॉरेन वॉरेन द्वारा की गई वास्तविक केस को फिल्म के माध्यम से दिखाया गया है। 'द कॉन्ज्यूरिंग: लास्ट राइट्स' इस सीरीज का अंतिम भाग है।

मलयालम फिल्म लोका की फैन बनीं प्रियंका

मुंबई। मलयालम फिल्म 'लोका चैप्टर 1' को सिनेमाघरों में 10 दिन हो चुके हैं। हाल ही में यह हिंदी वर्जन में भी दर्शकों को देखने को मिल रही है। इस फिल्म की तारीफ बॉलीवुड सेलेब्स भी कर रहे हैं। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने फिल्म लोका को सराहा। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पेज पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'भारत की पहली वुमन सुपरहीरो आ गई है। फिल्म 'लोका' की पूरी टीम को बधाई। यह कहानी मलयालम में पहले से ही लोगों का दिल जीत रही है। अब यह हिंदी में भी आ गई है। मैंने इसे अपनी वॉचलिस्ट में पहले ही जोड़ लिया है। मलयालम फिल्म लोका एक वुमन सुपरहीरो की कहानी है। इसमें चंद्रा नाम की एक लड़की है, जिसमें पास कुछ सुपरपावर हैं। वह बेंगलुरु में रहने आई है और असहाय पुरुष और महिलाओं को मुश्किलों से बचाती है।

किंग फिल्म के सेट से लीक हुआ शाहरुख का लुक!

मुंबई। हाल ही में शाहरुख खान ने अपनी फिल्म किंग की शूटिंग शुरू की है। सोशल मीडिया पर 'किंग' फिल्म का एक लुक वायरल हो रहा है। इसमें शाहरुख खान काफी अलग नजर आ रहे हैं। अब तक उन्होंने किसी भी फिल्म में ऐसा एक्सपेरिमेंट अपने लुक के साथ नहीं किया था। इस फिल्म में उनके साथ बेटी सुहाना खान भी दिखाई देंगी। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म होने वाली है। हाल ही में इस फिल्म के एक शूटिंग शेडयल पर ... शाहरुख खान मौजूद दिखे। इस शूटिंग सेट से कुछ वीडियो, फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हुए, जिसमें शाहरुख का लुक किंग मूवी में कैसा होगा, इसका अंदाजा फैंस को हो गया। शाहरुख काफी बदले हुए नजर आए। एक धुंधली से तस्वीर में उनके बालों का रंग ग्रे कलर का नजर आया। वहीं, एक वीडियो में वह अपने सिर को कवर करते हुए दिखे।

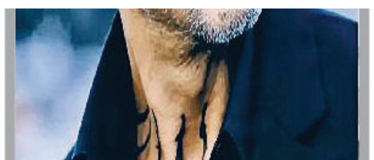

टीवी मसाला

बसीर बने नए कैप्टन, तान्या-जीशान से भिड़ने के बाद रोईं कुनिका

नई दिल्ली। बिग बॉस 19 में पहले दिन से ही हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिल रहा है। इसमें कंटेस्टेंट के बीच नोक-झोक और बहस से लेकर टास्क व कैप्टेंसी तक को लेकर तकरार देखने को मिल रही है। घर में तान्या मित्तल की एक के बाद एक हरकतें लगातार उन्हें चर्चाओं में बनाए हुए हैं। अब शो के लेटेस्ट एपिसोड में तान्या और कुनिका सदानंद के बीच फिर तगड़ी बहस देखने को मिली है। वहीं, घर की कप्तानी भी अब बसीर अली के पास पहुंच गई है। कुनिका ने शिकायत की कि तान्या को कुछ गंभीर समस्याएं हैं। उन्होंने बताया कि तान्या कभी किसी बात को नहीं छोड़तीं। दूसरी ओर तान्या और अशनूर कौर के बीच एक बड़ी तुलना करते हुए कुनिका ने खुलासा किया कि अगर अशनूर गपशप करना बंद कर दें, तो वह उन्हें अपनी बहू के रूप में देखना पसंद करेंगी। इसके बाद जब अशनूर ने कुनिका से इस बारे में बात की तो तान्या और कनिका की बहस छिड़ गई। तान्या ने जहां कुनिका के सबके सामने उन्हें घासलेट कहे जाने पर नाराजगी जताई, तो वहीं कुनिका को घमंडी बताते हुए कहा कि अगर उन्हें लगता है हर कोई उनका विरोध करता है, तो वो बातचीत ही न करें या कम करें।

कीकू शारदा नहीं छोड़ रहे द ग्रेट इंडियन कपिल शो

नई दिल्ली। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में नजर आ रहे कीकू शारदा के फैंस का गहरा धक्का लगा, जब उन्हें ये खबर मिली की एक्टर-कॉमेडियन ने शो छोड़ दिया है। क्योंकि, वह अशनीर ग्रोवर के 40 दिन चलने वाले रियलिटी शो 'राइड एंड फॉल' में नजर आएंगे। इसी कारण

रिपोर्ट्स आने लगीं कि कृष्णा अभिषेक से बहस के बाद अब उन्होंने कपिल के शो से किनारा कर लिया है। लेकिन, अब इसके पीछे की असली वजह सामने आई है। कीकू शारदा ने तय किया है कि वह 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का सीजन पूरा करने के बाद ही अशनीर ग्रोवर के 'राइज एंड फॉल' का हिस्सा बनेंगे। कीकू शो नहीं छोड़ रहे है। आप उन्हें आने वाले एपिसोड्स में देखेंगे। उन्होंने अपना अगला प्रोजेक्ट शुरू करने से पहले शो की शूटिंग पूरी कर ली है। कीकू द ग्रेट इंडियन कपिल शो का हिस्सा हैं।' कीकू शारदा और कृष्णा अभिषेक का सेट से एक वीडियो सामने आया था, जिसमें दोनों बहस कर रहे थे। जिसमें कीकू ने कहा, 'टाइमपास कर रहा हूं?' इस पर कृष्णा ने दुखी होते हुए कहा, 'तो फिर ठीक है आप कर लो। आप कर लो भाई कोई प्राब्लम नहीं है। मैं जाता हूं यहां से।' फिर कीकू बोले, 'बात ये है कि मुझे बुलाया है तो मैं अपना खत्म कर लूं पहले।'

कर्तव्यनिष्ठ पुलिस ऑफिसर की कहानी है इंस्पेक्टर झेंडे

मुंबई। 70-80 के दशक में बिकिनी किलर के नाम से मशहूर कुख्यात अपराधी चार्ल्स शोभराज को तो हर कोई जानता है, पर उसे दो बार पकड़ने वाले मुंबई पुलिस के दिलेर इंस्पेक्टर मधुकर झेंडे के कारनामे कम ही लोगों को पता हैं। मनोज बाजपेयी की यह फिल्म 'इंस्पेक्टर झेंडे' हर हाल में अपनी ड्यूटी को आगे रखने वाले इसी कर्तव्यनिष्ठ पुलिस ऑफिसर की कहानी है। 80 के दशक में सेट इस कहानी की शुरुआत स्विम सूट किलर कार्ल भोजराज (जिम सर्भ) के दिल्ली के तिहाड़ जेल से फरार होने की खबर से होती है। यह खबर सुनते ही मुंबई में दूध की लाइन में खड़े इंस्पेक्टर मधुकर झेंडे (मनोज बाजपेयी) के कान खड़े हो जाते हैं। असल में, झेंडे 1971 में एक बार कार्ल को पकड़ चुके थे, लेकिन अब वह फरार हो गया। ऐसे में, कार्ल को दोबारा पकड़कर वह पुलिस के दामन पर लगा दाग मिटाना चाहते हैं। शहर के डीआईजी (सचिन खेडेकर) भी झेंडे पर भरोसा जताते हैं और उन्हें अपनी टीम के साथ कार्ल को दोबारा दबोचने के सीक्रेट मिशन पर लगा देते हैं। अब बेहद कम संसाधनों में कुल छह पुलिसवालों की छोटी सी टुकड़ी कार्ल भोजरात को पकड़ने निकलती है।

मानवीय पहलुओं पर फोकस

मन में सवाल उठना लाजिमी है कि कार्ल जैसे कई देशों में मोस्ट वांटेड किलर को पकड़ना क्या इतना आसान है? चिन्मय डी मंडलेकर की लिखी और निर्देशित की इस फिल्म की खूबी यह है कि यह चोर-पुलिस वाली आम बॉलिवुडिया फिल्म की तरह नहीं है। यह अपने नायक को 'सिंघम' नहीं बनाती, बल्कि उसके मानवीय पहलुओं पर फोकस करती है। झेंडे वो पुलिसवाला नहीं है, जो एक घूंसे से छह गुंडों को चित कर देता है, बल्कि वो ऐसा हीरो है जो एक बाइक के रजिस्ट्रेशन नंबर के भरोसे गोवा में कार्ल को खोजने निकल पड़ता है।

द बंगाल फाइल्स सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि आईना है

मुंबई। मशहूर फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री की पॉलिटिकल थ्रिलर मूवी 'द बंगाल फाइल्स' शुक्रवार को भारत में सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। यह मूवी साल 1946 के बंगाल के उथल-पुथल भरे घटनाक्रमों को बयां करती है, जिसमें ग्रेट कलकत्ता किलिंग्स, डायरेक्ट एक्शन डे और नोआखाली दंगे शामिल हैं। इस मूवी को लेकर दर्शकों की तरफ से रिव्यूज भी सामने आने लगे हैं। फिल्म ट्रेड एनालिस्ट जयसवाल ने 'द बंगाल फाइल्स' का रिव्यू लिखा, 'अब तक द बंगाल फाइल्स में सिमरत कौर का मोनोलॉग भूल नहीं पा रहा हूं। क्या जबरदस्त प्रदर्शन था, क्या बेहतरीन अदाकारा हैं वो। वाकई पुरस्कार के काबिल एक्टिंग।' एक यूजर ने फिल्म को हार्टब्रेकिंग बताया है तो दूसरे ने लिखा कि यह फिल्म आपको डराएगी और बेचैन कर देगी। एक यूजर ने फिल्म की तारीफ करते हुए लिखा, 'द बंगाल फाइल्स सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि आईना है। एक ऐसा आईना जो दिखाता है कि बंगाल के रक्तरंजित अतीत को संयोग से नहीं, बल्कि साजिश के तहत दफनाया गया। यह फिल्म आपको न सिर्फ जो हुआ उस पर, बल्कि उन लोगों पर भी गुस्सा दिलाती है जो अब भी झूठ का बचाव कर रहे हैं।' एक अन्य यूजर ने फिल्म की तारीफ करते हुए इसे शानदार, गंभीर और हिलाकर रख देने वाली फिल्म बताया है। लोगों से फिल्म देखने की अपील करते हुए यूजर का कहना है कि इस फिल्म को सच्चाई जानने के लिए देखना चाहिए। कुछ लोगों ने फिल्म को दिल दहला देने वाला अनुभव बताया।

नोआखली दंगों पर आधारित

एक यूजर ने कहा कि यह फिल्म डायरेक्ट एक्शन डे (1946) की भयावहता को अपनी तीव्रता, बेहतरीन कहानी और दिल दहला देने वाले दृश्यों के साथ जीवंत करने का साहस कराती है। लोगों ने फिल्म के निर्देशन और पल्लवी जोशी व नमाशी चक्रवर्ती के अभिनय की भी तारीफ की है। एक अन्य यूजर ने फिल्म को आंखे खोल देने वाला बताया और ऐसी कहानी को दिखाने के लिए निर्देशक विवेक अग्निहोत्री का भी शुक्रिया जताया। एक और यूजर ने भी फिल्म की तारीफ की है। वहीं कई दर्शकों ने फिल्म को एक जरूरी फिल्म बताया है और इसे देखने की अपील की है। विवेक अग्निहोत्री द्वारा लिखित और निर्देशित 'द बंगाल फाइल्स' 1946 के कलकत्ता हत्याओं और नोआखली दंगों पर आधारित है।

80 साल की उम्र में आज भी रूस में बैले डांसर्स और एक्टर्स को देती हैं सलाह

रशियन एक्ट्रेस की खूबसूरती थी मेरा नाम जोकर का अट्रैक्शन

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

राज कपूर की अद्भुत फिल्मों में से एक 'मेरा नाम जोकर' भारतीय सिनेमा की सबसे लंबी फिल्मों में से एक मानी जाती है। उससे पहले 'संगम' ब्लॉकबस्ट हो चुकी थी, ऐसे में राज कपूर की इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार था। राज कपूर, सिमी गरेवाल की इसी फिल्म से एक्टर के बेटे ऋषि कपूर डेब्यू करने जा रहे थे। इसी फिल्म में नजर आईं रशियन एक्ट्रेस क्सेनिया रयाबिनकिना, जिनकी खूबसूरती इस फिल्म का खास अट्रैक्शन थी। 80 की उम्र की दहलीज पर पहुंच चुकीं रयाबिनकिना आज भी क्सेनिया रयाबिनकिना रूस में बैले डांसर्स और एक्टर्स को सलाह देती हैं। रयाबिनकिना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो अपनी पर्सनल और प्रफेशनल लाइफ के किस्से भी शेयर करती हैं। क्सेनिया रयाबिनकिना का जन्म मॉस्को में हुआ था। उनका इस हिंदी फिल्म में आना भी किसी फिल्म के किस्से की तरह है। रयाबिनकिना की मां एक शानदार बैले डांसर थीं और पिता एक जियो-फिजिक्स डॉक्टर के घर हुआ था। बताया जाता है कि क्सेनिया रयाबिनकिना ने मॉस्को के बोल्शोई थिएटर में एक बैलेरीना (बैले डांसर) के रूप में अपना कॅरियर शुरू किया था।

रूसी सर्कस ट्रैपीज़ कलाकार के रूप में

हालांकि, भारत में उन्हें आज भी लोग मरीना के नाम से ही याद करते हैं। राज कपूर की क्लासिकल फिल्म 'मेरा नाम जोकर' (1970) में रूसी सर्कस ट्रैपीज कलाकार (सर्कस में ऊंचाई पर रस्सियों के झूले पर झूलने वाले कलाकर) के रूप में 25 साल की इस एक्ट्रेस ने लोगों के दिलों पर ऐसा जादू चलाया कि में वो उनकी यादों में आज भी बसी हैं।

जब सर्कस खत्म होता है तो वो रूस वापस चली जाती है

इस फिल्म में राजू बने राज कपूर जब 'जैमिनी सर्कस' में काम करने पहुंचते हैं तो उनकी मुलाकात मरीना से होती है। मरीना अपने साथी कलाकारों से साथ रूस से सर्कस में काम करने भारत आती हैं। यहां स्टेज पर साथ काम करते करते राजू को मरीना से प्यार हो जाता है और मरीना भी राजू को पसंद करने लगती है। लेकिन, जब सर्कस खत्म होता है तो वो रूस वापस चली जाती है। इसके बाद राजू टूट जाता है।

ऑडिशन की जगह दिखाया लाइव परफॉर्मेंस

क्सेनिया रयाबिनकिना मिलना तो चाहती थीं, लेकिन उन्हें मना करना पड़ा। क्योंकि, उसी रात उनकी खुद की भी एक परफॉर्मेंस थी। एक्ट्रेस ने फोन करने वाले शख्स से कहा कि क्या ऐसा हो सकता है कि वो राज कपूर को थिएटर ले आएं? इसी बहाने राज कपूर उनकी परफॉर्मेंस भी देख लेंगे। उन्होंने ऐसा ही किया। वो कुछ लोगों के साथ ऑडिटोरियम पहुंचे और उन्होंने रयाबिनकिना की परफॉर्मेंस देखी।

पहली फिल्म मेरा नाम जोकर नहीं

हालांकि, कहते हैं कि वो फिल्मों में काम नहीं करना चाहती थीं। बताया जाता है कि इन्हें हिंदी बोलना नहीं आता था, लेकिन पहली फिल्म जार साल्टन मिली। दोस्तों के कहने पर वो तैयार हो गईं, जिसमें उनका छोटा सा किरदार था। फिल्म में उन्हें लोगों ने पसंद भी किया। इसके बाद करीब तीन साल के बाद वो 'मेरा नाम जोकर' में नजर आईं। इस बीच वो बैले डांस में खुद को बिजी रखती थीं।

राज कपूर को लेकर रूस में काफी क्रेज था

एक दिन उन्हें किसी ने फोन करके बताया कि मशहूर राज कपूर इस वक्त मॉस्को में ही हैं और वो एक बड़ी फिल्म बना रहे हैं । उन्हें बताया गया कि राज कपूर अपनी फिल्म के किरदार के लिए रशियन लड़की की तलाश कर रहे हैं। उन दिनों राज कपूर को लेकर रूस में काफी क्रेज था।

सर्कस में काम करने वाली लड़की ही चाहिए थी

क्सेनिया रयाबिनकिना ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब उन्हें ये बताया गया था कि राज कपूर मॉस्को में हैं और उनसे जल्द वो मिलना चाहते हैं क्योंकि उन्हें भारत वापस भी लौटना है। रयाबिनकिना से मिलने से पहले राज कपूर कुछ और रूसी लड़कियों से भी मिल चुके थे और खासकर वो सर्कस की कलाकारों से मिले थे। क्योंकि, उन्हें अपनी फिल्म में मरीना के किरदार के लिए सर्कस में काम करने वाली लड़की ही चाहिए थी।

''माता बहादुर कलारिन सम्मान वर्ष 2025'' के लिए आवेदन आमंत्रित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ शासन, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष एवं नारी उत्थान की दिशा में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिला को प्रतिवर्ष ''माता बहादुर कलारिन सम्मान'' प्रदान किया जाता है। इस सम्मान के अंतर्गत चयनित महिला को 2 लाख रूपए की राशि एवं प्रशस्ति पट्टिका प्रदान की जाएगी। यह सम्मान महिलाओं को सामाजिक न्याय, साहसिक नेतृत्व एवं सशक्तिकरण की दिशा में प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

इच्छुक एवं पात्र महिलाएं निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र दिनांक 26 सितंबर 2025, सायं 5:30 बजे तक कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला सूरजपुर में जमा कर सकती हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। विस्तृत जानकारी एवं आवेदन प्रारूप जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग सूरजपुर के सूचना पटल एवं जिले की आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त किया जा सकता हैं।

आईटीआई सूरजपुर में मेहमान प्रवक्ता के रूप में कार्य करने हेतु आवेदन आमंत्रित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रशिक्षण सत्र 2025-26 के लिए नोडल क्षेत्र सूरजपुर अंतर्गत संचालित आईटीआई में प्रशिक्षण अधिकारी के विरूद्ध रिक्त पद हेतु एक वर्ष के लिए गणित/ड्राइंग, मैकेनिक मोटर व्हीकल, फिटर, कोपा, विद्युतकार व्यवसाय/विषय में मेहमान प्रवक्ता के रूप में कार्य करने हेतु आवेदन आमंत्रित किये गये है।

शिक्षा से जुडना पूरी दुनिया से जुड जाना और शिक्षा से विमुख होना दुनिया से विमुख हो जाना है : न्यायाधीश

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा किया गया विशेष विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। श्रीमती विनीता वार्नर, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सूरजपुर के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं होली शिक्षण समिति देवनगर के संयुक्त तत्वावधान में विश्व साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य ग्राम पंचायत भवन राजापुर में विशेष शैक्षणिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में पायल टोपनो, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा हिमांसी सराफ, व्यवहार न्यायाधीश सूरजपुर के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर के.एल. भील, मुख्य प्रबंधक खनन एस. ई. सी. एल. डॉ. संजय कुमार सिंह मुख्य प्रबंधक एस.ई.सी.एल. बिश्रामपुर, डॉ. मोहन साहू, जिला परियोजना अधिकारी जिला साक्षरता प्राधिकरण के विशिष्ठ आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव, पायल टोपनो ने शिक्षा साक्षरता के महत्व को विशेषता देते हुए विशेष पिछड़ी जनजाति के अधिकारों पर केंद्रित जागरूकता कार्यक्रम, विशेष पिछड़ी जनजाति के अधिकारों और उनके लिए संचालित योजनाओं तथा शिक्षा पर केंद्रित रहा। इस अवसर पर होली टेम्पल शिक्षण समिति के ''उडान'' कार्यक्रम अंतर्गत पण्डो जनजाति के विद्यार्थियों को अंकसूची वितरण किया गया एवं समिति के संचालक ने बताया की यह समिति पण्डो जनजाति के बालक-बालिकाओं को शिक्षा से जोडने का निरंतर प्रयास कर रही है, जिसमें ग्राम राजापुर के कई ग्रामीण शिक्षा की दिशा से अपरिहार्य कारणों से वंचित रह गये थे। उडान शिक्षण समिति के अथक प्रयास पश्चात शिक्षा से पुन: जुडे तथा उक्त विद्यार्थियों के द्वारा कक्षा 10 वीं के 35 एवं 12 वीं में 06 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से उतीर्ण रहे। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सचिव पायल टोपनो ने कहा कि, शिक्षा से जुडना पूरी दुनिया से जुड जाना और शिक्षा से विमुख होना पूरी दुनिया से विमुख हो जाना है, उन्होंने सभी वर्ग के बच्चों को शिक्षा से जुडने कर का आह्वान किया। इस पिछड़ी जनजाति के बच्चों को शिक्षा कि धारा से जोड़ने में एस.ई.सी.एल. प्रबंधन बिश्रामपुर एवं संभागीय आयुक्त द्वारा आर्थिक सहयोग प्रदान कर महत्वपूर्ण योगदान दिया है जिसमें बच्चों की कोचिंग, परीक्षा एवं अन्य खर्च शामिल रहे। इस कार्यक्रम में राजचन्द्र सोनी प्राचार्य बसदेई, चन्द्र विजय सिंह प्राचार्य , थाना प्रभारी रामानुजनगर राजेन्द्र साहू, विरेन्द्र साहू व्याख्याता, शिव बच्चन सिंह, समिति उपाध्यक्ष, सरपंच राजापुर सहित गणमान्यजन भारी संख्या में उपस्थित रहे।

5 किलो गांजा के साथ चांदनी पुलिस के हत्थे चढ़ी महिला तस्कर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले की चांदनी पुलिस ने एक महिला से 5 किलो गांजा जप्त किया है। जिसकी कीमत 1.50 लाख रुपये बताई गई है। मामले में महिला को गिरफ्तार किया गया है।एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने अवैध कार्यो सहित नशे के कारोबार पर पूर्णत: अंकुश लगाते हुए सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए है। इसी परिप्रेक्ष्य में 06 सितम्बर को थाना चांदनी पुलिस को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुआ कि ग्राम नवाटोला की मीरा देवी साहू घर में मादक पदार्थ गांजा बिक्री हेतु रखी है। थाना चांदनी पुलिस सूचना की तस्दीकी व कार्यवाही हेतु मौके पर पहुंची जहां मीरा देवी साहू 40 वर्ष को तलब कर विधिवत् घर की तलाशी लिए जाने पर 5 किलो गांजा कीमत करीब 1 लाख 50 हजार रूपये का पाया गया। मामले में गांजा जप्त कर धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपियां को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी चांदनी प्रदीप सिदार व उनकी टीम सक्रिय रही।

जनपद उपाध्यक्ष पर राशि मांगे जाने के मामले में शराब के नशे में आरोप लगाने का दावा

0 कलेक्टर से सरपंच व रोजगार सहायक पर 7.50 लाख रुपए के फर्जी आहरण की शिकायत 0 कार्रवाई की मांग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जनपद उपाध्यक्ष पर राशन कार्ड बनाने के नाम पर राशि मांगे जाने मामले में आज उस समय नाटकीय मोड़ सामने आ गया जब कलेक्टर को दिए एक लिखित आवेदन में शराब के नशे में आरोप लगाने का दावा किया गया और लगे हाथ गांव के सरपंच व रोजगार सहायक पर साढ़े सात लाख रुपए के फर्जी आहरण की शिकायत भी की गई है।ज्ञात हो पिछले दिनों सूरजपुर जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष मनमथ बछाड़ पर ग्राम पंचायत अजबनगर के रंगपारा के एक ग्रामीण ने राशन कार्ड बनवाने के नाम पर तीन हजार रुपये मांगने का आरोप लगाते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।इस मामले में सोमवार को ग्रामीणों ने कलेक्टर को एक ज्ञापन देकर कहा है कि यह जनपद उपाध्यक्ष को बदनाम करने की साजिश थी।इस पत्र में कहा गया है कि सम्बंधित व्यक्ति ने कहा है कि उसने शराब के नशे में उक्त बातें कही थी जिसका वीडियो बना कर वायरल कर दिया गया।पत्र में कहा गया है कि इसकी शिकायत जब थाने में दर्ज कराई गई तब लक्ष्मण सिंह ने माफी मांग कर समझौता कर लिया गया।इस दौरान उसने स्वीकार किया और बताया कि किसके मोबाइल में वीडियो बना कर वायरल किया गया।ग्रामीणों ने रविन्द्र नगर के सरपंच व रोजगार सहायक पर 15 वे वित्त की राशि करीब साढ़े सात लाख रुपए फर्जी तरीके आहरित करने का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की गई है। पत्र में कहा गया है कि इसी मामले में समझाईश दिए जाने के कारण इस तरह से बदनाम करने का प्रयास किया गया।जिसकी जांच करा कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए।

सोनगरा में आयुष विभाग ने किया स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन, 45 हुए लाभान्वित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। रजत महोत्सव के अंतर्गत ''हर दिन हर घर आयुर्वेद'' अभियान के तहत आयुष विभाग सूरजपुर द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य एवं आयुष केंद्र सोनगरा, विकासखंड प्रतापपुर में एक विशेष स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में चिकित्सक दल द्वारा ग्रामीण जनों को आयुर्वेद एवं योग के प्रति जागरूक किया गया। शिविर में विभिन्न गतिविधियाँ जानकारीयां दिया गया। जिसके अंतर्गत आयुर्वेद का परिचय एवं दैनिक जीवन में इसका महत्व, योग एवं प्राणायाम का महत्व, दिनचर्या, रात्रिचर्या एवं ऋतुचार्य की जानकारी, आहार-विहार तथा हस्तप्रक्षालन विधि (हाथ धोने की प्रक्रिया), रक्ताल्पता (एनीमिया) की जानकारी एवं बचाव, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली घरेलू औषधियों का वितरण, घरेलू औषधियों की पहचान एवं उनके प्रयोग की विधि, कार्यक्रम में कुल 45 हितग्राहियों ने भाग लेकर लाभ प्राप्त किया। यह शिविर ग्रामीणों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक सराहनीय कदम रहा।

हाथियों ने बिहारपुर क्षेत्र के दर्जनों किसानों की खड़ी फसल की चौपट

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। ग्राम पंचायत मोहरसोप के मचबधापारा सहित आसपास के गांवों में लगातार दो महीनों से हाथियों का उत्पात जारी है। शाम ढलते ही हाथियों का झुंड गांवों में घुसकर किसानों के मेहनत की फसल चौपट कर रहा है। ग्रामीणों के अनुसार हाथी धान, मक्का, बजरा, कोदो, कुटकी, रागिनी और सवा जैसी खड़ी फसलों को पैरों तले रौंद कर नुकसान पहुंचा रहे हैं। अब तक दो दर्जन से अधिक किसानों की फसल चौपट हो चुकी है। हाथियों के इस आतंक से सबसे ज्यादा मोहरसोप, जुडवनीया, बसनरा, नवडीहा और कछिया ग्राम प्रभावित हैं। पिछले वर्ष दो बार हाथी मोहरसोप पुलिस चौकी तक पहुंच गए थे और वहां जमकर उत्पात मचाया था। पिछले साल भी सैकड़ों किसानों की खेत मे खड़ी फसल को हाथियों ने बर्बाद किया था। इसके बावजूद न तो वन विभाग ने और न ही प्रशासन ने कोई

दर्जन भर गांव के लोग परेशान

स्थायी कदम उठाया।

सांप निकलने के बाद लकीर पीटने की तर्ज पर कार्य करता है वन विभाग

हाथियों के द्वारा लगातार किये जा रहे तांडव से परेशान ग्रामीण खुद से उपक्रम कर हाथियों को खदेड़ने का काम करते है और विभाग के जिम्मेदार सांप निकलने के बाद लकीर पीटने की तर्ज पर कार्य करते है। चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में वन विभाग के पास गश्ती वाहन तक नहीं है। ग्रामीणों का आरोप है कि हाथियों को भगाने के लिए पटाखे या अन्य संसाधन तक विभाग के द्वारा ग्रामीणों को उपलब्ध नहीं कराए गए। परेशान ग्रामीण मशाल और डंडों के सहारे हाथियों को भगाने का स्वयं से उपक्रम करते हैं।

ग्रामीणों की मांग है कि हाथियों को सुरक्षित रूप से जंगल की गहराई में ले जाने की व्यवस्था विभाग के द्वारा की जाए और प्रभावित किसानों को त्वरित मुआवजा दिए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि किसानों को राहत मिल सके।

एसईसीएल भटगांव के वर्कशाप में चोरी की वारदात के 5 आरोपी गिरफ्तार, 5 लाख का सामान जप्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के भटगांव एसईसीएल वर्कशाप से चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले 5 आरोपियों को भटगांव पुलिस ने किया गिरफ्तार कर 5 लाख कीमत के लोहे की मशीनरी जप्त किया है। बताया गया है कि सुरक्षा गार्ड राजेश कुमार ने थाना में रिपोर्ट कराया कि 4-5 सितम्बर के रात्रि में वह पेट्रोलिंग ड्यूटी पर था। रात्रि करीब 2 बजे भटगांव 3-4 एसईसीएल वर्कशाप के पास लोहे के टकराने की आवाज सुनकर वह अपने सहकर्मी के साथ वहां गया तो देखा कि वर्कशाप के दिवाल बाउंड्री में छेद कर कुछ व्यक्ति अंदर घुसकर वहां रखे मशीनरी, लोहे के सामान व तांबे का केबल तार कर चोरी कर ले जा रहे थे। वर्कशॉप से मुनई, राजन यादव, शुभम, उपेन्द्र व अन्य व्यक्ति थे जिनके नजदीक जाने पर सामान लेकर नर्सरी की ओर भाग निकले। चोरों के द्वारा कुल 5 लाख रूपये कीमत के सामानों की चोरी की गई है। जिसकी रिपोर्ट पर थाना भटगांव में धारा 331(4), 305(ए), 3(5), 317(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की सूचना पर एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने चोरी के आरोपियों को जल्द पकड़ मामले का खुलासा करने के निर्देश दिए। विवेचना के दौरान थाना भटगांव पुलिस के द्वारा सोनू, राजन, शुभम, उपेन्द्र को दबिश देकर पकड़ा। पूछताछ पर आरोपियों ने चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया जिनके निशानदेही पर पीटी बाक्स 5 नग, एसडीएल मशीन का बेयरिंग 6 नग, इलेक्ट्रिक तांबा केबल 20 मीटर, एलडीएल का गियर बाक्स 1 नग कुल कीमत 5 लाख रूपये का जप्त किया गया। वहीं प्रकरण के सह आरोपी राजेश सोनी के द्वारा आरोपी सोनू राजवाड़े से चोरी किए सम्पत्ति 2 नग पीटी बाक्स खरीदने/कब्जा में रखने पर धारा 317(2) बीएनएस के तहत कार्यवाही कर इसे भी पकड़ा गया। प्रकरण में 2 आरोपी फरार है जिनकी पतासाजी की जा रही है।

प्रकरण में आरोपी सोनू राजवाड़े उर्फ मूनई 32 वर्ष ग्राम तेलगांव, राजन यादव 31 वर्ष निवासी पुराना माईनस कालोनी भटगांव, शुभम जायसवाल 23 वर्ष निवासी बाजारपारा भटगांव, सोनू उर्फ उपेन्द्र हथगेन उम्र 27 वर्ष निवासी न्यू माइनस पुराना भटगांव, राजेश सोनी 39 वर्ष निवासी मिशन चौक अम्बिकापुर को गिरफ्तार किया गया है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी अभिषेक पैंकरा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भटगांव सरफराज फिरदौसी व उनकी टीम सक्रिय रही।

कॉलेज में हुआ लाइसेंस शिविर का आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिला परिवहन कार्यालय द्वारा शासकीय पंडित रविशंकर शुक्ल महाविद्यालय भैयाथान में शिक्षार्थी लाइसेंस शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर स्थल भैयाथान कॉलेज में 40 आवेदकगण शिविर स्थल में उपस्थित हुए। शिविर के नोडल अधिकारी सरमन, परिवहन उप निरीक्षक के मार्गदर्शन में शिविर संपन्न हुआ।

प्रेमनगर विकासखंड में युक्तियुक्तकरण पश्चात शिक्षा व्यवस्था में सुधार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए विद्यालयों का युक्तियुक्तकरण किया गया था। इस योजना का मुख्य उद्देश्य शिक्षक विहीन विद्यालयों में शिक्षकों की पदस्थापना सुनिश्चित करना था। अब इस पहल के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं।

प्रेमनगर विकासखंड के कई विद्यालयों में युक्तियुक्तकरण के बाद नवीन शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। इनमें प्राथमिक शाला पीपरडाड, प्राथमिक शाला घोघरापारा, प्राथमिक शाला सोहरगडई, प्राथमिक शाला कॉन्दाबाडी, प्राथमिक शाला कन्या आश्रम प्रेमनगर और प्राथमिक शाला भण्डारपारा चंदननगर शामिल हैं।

नवीन शिक्षकों की नियुक्ति से विद्यालयों में शिक्षा का स्तर लगातार सुधर रहा है और विद्यार्थियों की पढ़ाई में उल्लेखनीय प्रगति देखी जा रही है। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए कहा है कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिल रहा है।

खर्चे की मांग पूरा ना करने पर माँ-नानी पर डंडे से हमला

धमतरी, छ.ग. फ्रंटलाइन। पुलिस की विभिन्न टीमों ने कड़ी मसक्कत के बाद फरार आरोपी को उसी रात में किया गिरफ्तार थाना कोतवाली द्वारा आरोपी के विरुद्ध धारा 103(1),109(1) क्व्हस्र.के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी बेटे को न्यायिक रिमांड पर भेजा जेल

रात्रि लगभग 09:00 बजे थाना सिटी कोतवाली क्षेत्रांतर्गत बठेना पारा,जेल रोड, बुढ़ादेव मंदिर के पास निवासी लोमन ध्रुव उर्फ गोलु पिता दयाराम ध्रुव, उम्र 22 वर्ष ने खर्चे हेतु माँ पुर्णिमा ध्रुव एवं नानी लखनतीन बाई ध्रुव से पैसे की मांग की। मॉ और नानी दोनों के द्वारा खर्चे के लिए पैसे देने से मना करने पर आरोपी ने आवेश में आकर घर में रखे लकड़ी के डंडे से लगातार हमला किया और आरोपी फरार हो गया था। हमले से माँ पुर्णिमा ध्रुव के सिर, चेहरे और दोनों हाथों में गंभीर चोटें आईं। वहीं नानी लखनतीन बाई ध्रुव के सिर, चेहरे, कान, नाक, हाथ, पैर एवं पेट में गंभीर चोटें आईं। घायल दोनों को उपचार हेतु जिला अस्पताल धमतरी लाया गया, जहाँ उपचार के दौरान नानी लखनतीन बाई ध्रुव की मृत्यु हो गई। माँ पुर्णिमा ध्रुव उपचाररत हैं।

एसपी धमतरी ने घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल राजपत्रित अधिकारियों के नेतृत्व में विशेष टीम गठित करने के निर्देश दिए। निर्देशानुसार थाना सिटी कोतवाली धमतरी की विभिन्न टीमों ने तेजी से कार्यवाही करते हुए लगातार रातभर कड़ी मशक्कत के बाद फरार आरोपी को उसी रात गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के विरुद्ध थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 217/2025, धारा 103(1), 109(1) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। पुलिस टीम ने घटना स्थल का वैज्ञानिक निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य संकलित किए एवं घटना में प्रयुक्त लकड़ी का डंडा जप्त किया। विवेचना के दौरान गवाहों के समक्ष पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार किया। आरोपी लोमन ध्रुव उर्फ गोलु को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

मुख्यमंत्री साय को क्षेत्र के बाढ़ पीड़ितों से मिलवाने में नाकाम रहे विधायक: बैज

लोहंडीगुड़ा, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला पंचायत सदस्य योगेश बैज ने चित्रकोट विधायक विनायक गोयल पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने विनायक गोयल को सबसे निष्क्रिय विधायक घोषित कर दिया है। बस्तर जिला पंचायत के सदस्य योगेश बैज ने कहा है कि विधायक गोयल की निष्क्रियता का खामियाजा लोहंडीगुड़ा क्षेत्र के बाढ़ पीड़ितों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने विनायक गोयल की कार्यशैली पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि जो विधायक अपने क्षेत्र के बाढ़ पीड़ितों की स्थिति का जायजा लेने अपने ही मुख्यमंत्री को लाने में नाकाम साबित हो जाए तो ऐसे विधायक से क्षेत्र की जनता और क्या अपेक्षा कर सकती है श्री बैज ने कहा है कि जब मुख्यमंत्री बाढ़ पीड़ितों से मिलने बस्तर के दंतेवाड़ा का दौरा कर सकते हैं तो चित्रकोट विधानसभा क्षेत्र जो कि दंतेवाड़ा के बाद सबसे ज्यादा बाढ़ प्रभावित इलाका है, उसका दौरा किए बिना ही रायपुर लौट गए। यह स्थानीय विधायक की निष्क्रियता का ही परिणाम है जिसका खामियाजा बाढ़ पीड़ितों को भुगतना पड़ेगा।

योगेश बैज ने विधायक गोयल पर गंभीर आरोप लगाते हुए यह भी सवाल पूछा है कि कहीं बाढ़ पीड़ितों को हो रही असुविधाओं और उपक्षा की पोल खुल जाने के डर से विधायक ने मुख्यमंत्री को अपने विधानसभा क्षेत्र से दूर तो नहीं रखा है कहीं मुख्यमंत्री के सामने विधायक की निष्क्रियता की पोल ना खुल जाए इसलिए बाढ़ पीड़ितों प्रभावितों तक मुख्यमंत्री को नहीं पहुंचाया गया जबकि मांदर गांव जो कि अति बाढ़ प्रभावित रहा वहां की जनता में भी मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर उम्मीद जगी थी कि मुख्यमंत्री उनकी भी सुध लेंगे परंतु बाढ़ पीड़ितों की उम्मीदों पर पानी विधायक विनायक गोयल ने अपनी नाकामी को छिपाए रखने के लिए फेर दिया है।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

अवैध रूप से खाद भण्डारण एवं विक्रय करने वाले दुकानदारों पर हो कार्रवाई-संचालक राहुल देव

छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। संचालक कृषि राहुल देव की अध्यक्षता में सोमवार को जिला पंचायत सरगुजा के सभाकक्ष में खरीफ 2025 में उर्वरक व्यवस्था एवं विभागीय योजनाओं की प्रगति के सम्बंध में संभागस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में सरगुज़ा सम्भाग के समस्त जिलों सरगुज़ा, कोरिया, एमसीएबी, बलरामपुर, जशपुर, सूरजपुर जिले के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिलेवार धान उत्पादन की जानकारी ली गई तथा जिलों में धान रकबे में कमी के कारणों पर चर्चा की गई। संचालक श्री देव ने किसानों को धान के बदले दलहन-तिलहन, लघु धान्य फसलों तथा अन्य फसलों हेतु प्रोत्साहित करने कहा।

उन्होंने धान खरीदी में एग्रिस्टेक के सम्बन्ध में समीक्षा के दौरान कहा कि एग्रिस्टेक की जवाबदेही कृषि विभाग की है, इसलिए यह कार्य गम्भीरता से हो। इस हेतु आरईओ की ड्यूटी लगाएं और फील्ड में सक्रिय रखें। किसानों को एग्रिस्टेक किसान पंजीयन करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका ध्यान रखें। इसी प्रकार बैठक में डीसीएस सर्वे की जानकारी लेते हुए कृषि एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम सामंजस्य के साथ कार्य करने कहा। उन्होंने कहा कि सभी जिले एकीकृत किसान पोर्टल में एंट्री सुनिश्चित कराएं। बैठक में उर्वरक वितरण की समीक्षा की गई, उन्होंने कहा कि किसानों को खाद बीज की कमी ना हो। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि किसानों को समय पर और उचित दर पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध हो। उन्होंने खाद बीज उठाव की जानकारी लेते हुए कहा कि यूरिया खाद का उठाव करने वाले किसानों का सत्यापन कराएं तथा खरीदी पश्चात अवैध रूप से दुकानदारों को बेचने वालों पर कार्रवाई की जाए।

उन्होंने यूरिया के अवैध भण्डारण एवं विक्रय करने वालों पर की गई कार्रवाई की जानकारी ली तथा कहा कि लगातार निरीक्षण कर दुकानदारों पर कार्रवाई करें। कार्य में लापरवाही बरतने वाले उर्वरक निरीक्षकों को फटकार लगाते हुए उन्होंने कहा कि गम्भीरतापूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन करें, अन्यथा कार्रवाई के लिए तैयार रहें। इस दौरान अधिकारियों को फील्ड में दौरा कर किसानों से निरंतर संपर्क में रहने के निर्देश दिए गए। बैठक में बीज उत्पादन कार्यक्रम, फसल प्रदर्शन में नेशनल मिशन ऑन एडिबल आयल-ओइलसिड्स, परम्परागत कृषि विकास योजना, जैविक खेती मिशन, आत्मा, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, अक्ति बीज संवर्धन योजना, पीएम किसान योजना, लघुतम सिंचाई तालाब, आर ए डी योजना, नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग की प्रगति, मृदा स्वास्थ्य कार्ड पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सड़क सत्याग्रह की पहल-अंबिकापुर की सड़कों पर सर्वदलीय मंथन

नगर की खस्ताहाल सड़कें बनी बड़ी चिंता, रायपुर जाकर मुख्यमंत्री और पीडब्ल्यूडी मंत्री से करेंगे मुलाकात

छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। सरगुजा संभाग मुख्यालय अंबिकापुर की खस्ताहाल सड़कों को लेकर सड़क सत्याग्रह की पहल पर नगर के मनेंद्रगढ़ रोड स्थित होटल माखन बिहार में सर्वदलीय मंच की बैठक हुई। नगर निगम की ओर से महापौर मंजूषा भगत ने बताया कि कौन-कौन सी सड़क किस विभाग की है और किसके लिए कितनी राशि स्वीकृत हुई है। तकनीकी जानकारी देने निगम के आर्किटेक्ट मनोज पाठक भी मौजूद रहे।

महापौर ने स्वीकारा-75 प्रतिशत सड़क खराब

महापौर मंजूषा भगत ने स्वीकार किया कि शहर की 75 प्रतिशत सड़कें खराब हैं। उन्होंने कहा कि इस बार बारिश जल्दी शुरू होने से काम नहीं हो पाया। फिलहाल लगभग 18 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं।इसमें से 15 करोड़ का टेंडर जारी है, जिसमें 11 करोड़ सड़कों के लिए और शेष भवनों के निर्माण के लिए है। उन्होंने कहा कि अब बारिश थमते ही अक्टूबर से सड़क निर्माण शुरू होगा।

तकनीकी खामियां और ड्रेनेज समस्या

आर्किटेक्ट मनोज पाठक ने कहा कि निर्माण के दौरान तकनीकी परेशानियों और ड्रेनेज व्यवस्था की खामियों के कारण सड़कों की हालत जल्दी खराब होती है।

यदि सही तरीके से सड़क बने तो डामरीकरण की आयु 20 साल तक हो सकती है।

32 करोड़ की सड़क टूटी है, सात करोड़ से क्या होगा-नेता प्रतिपक्ष

नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने कहा कि दलगत भावना से ऊपर उठकर सड़कों के निर्माण के लिए सभी को आगे आना होगा।उन्होंने कहा कि अंबिकापुर शहर की टूटी सड़कों के लिए 32 करोड़ रुपये की आवश्यकता है। मात्र सात या 10 करोड़ से कुछ भी संभव नहीं। उन्होंने कहा कि कई बार नागरिकों के दबाव में कम राशि से ज्यादा सड़कें बना दी जाती हैं, जिससे गुणवत्ता प्रभावित होती है।

लगे सूचना बोर्ड ,पारदर्शिता जरूरी-डॉ योगेंद्र सिंह गहरवार

सड़क सत्याग्रह के संयोजक डॉ. योगेंद्र सिंह गहरवार ने कहा कि शहर की सड़कें कभी भी अच्छी नहीं मिलीं। उन्होंने सुझाव दिया कि जहां भी सड़क निर्माण हो, वहां सूचना बोर्ड लगाया जाए जिसमें लागत, अवधि, ठेकेदार और अभियंता का नाम हो, ताकि नागरिक निगरानी रख सकें और गुणवत्ता पर दबाव बना सकें।

बाहरी रिंग रोड की जरूरत

कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता ने कहा कि अंबिकापुर शहर का डिजिटल सर्वे होना चाहिए ताकि सड़कों की चौड़ाई, नालियों की स्थिति और अवैध कब्जों की जानकारी साफ हो।उन्होंने कहा कि शहर से अवैध कब्जे नहीं हटे और पानी की निकासी सही नहीं हुई तो सड़कें हमेशा खराब होंगी। उन्होंने साथ ही बाहरी रिंग रोड की भी मांग रखी।

सर्वदलीय सहमति -रायपुर जाएंगे सीएम से मिलने

बैठक में निर्णय लिया गया कि अंबिकापुर की सड़कों के सुधार के लिए सड़क सत्याग्रह का प्रतिनिधिमंडल रायपुर जाकर मुख्यमंत्री और पीडब्ल्यूडी मंत्री से मुलाकात करेगा।सभी ने आश्वासन दिया कि दलगत भावना से ऊपर उठकर शहर के विकास के लिए एकजुट रहेंगे।

बांकी डेम और श्याम घुनघुट्टा परियोजना का कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण, अधिकारियों को दिए सतत निगरानी के निर्देश

छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। कलेक्टर विलास भोसकर ने अंबिकापुर क्षेत्र के प्रमुख बांकी डेम एवं श्याम घुनघुट्टा परियोजना का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के सभी डेम जिनमें जलभराव अपनी क्षमता के अनुरूप हो चुका है, उन पर लगातार नजर रखी जाए। साथ ही आस-पास के रहवासी इलाकों के लोगों को सतर्क और जागरूक किया जाए, ताकि किसी भी संभावित आपदा स्थिति का समय रहते निपटा जा सके।

कलेक्टर ने कहा कि निरंतर बारिश के बीच डेम का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है,

ऐसे में नियंत्रण कक्ष से नियमित रिपोर्ट ली जाए और सुरक्षा इंतज़ाम दुरूस्त रखें। उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों को हर स्थिति पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए हैं।

गौरतलब है कि बांकी डेम का निर्माण वर्ष 1994 में हुआ था। इसकी जलभराव क्षमता 17.00 एमसीएम है और कैचमेंट एरिया 37.12 वर्ग किलोमीटर है। इस डेम की ऊंचाई 32.4 मीटर, लंबाई 1134 मीटर तथा नहर की लंबाई 19.08 किलोमीटर है। करीब 13 वर्षों बाद यह डेम अपनी पूर्ण क्षमता तक भरा है, जो रहवासियों के लिए बड़ी राहत की खबर है।

वहीं, श्याम घुनघुट्टा परियोजना, जिसका निर्माण वर्ष 1986 में हुआ था, सरगुजा की सबसे महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं में से एक है। इस परियोजना का कैचमेंट एरिया 492 वर्ग किलोमीटर है। डेम की ऊंचाई 31.50 मीटर मेसनरी और अर्थेन 11.10 मीटर और लंबाई 5192 मीटर है। यह परियोजना न सिर्फ सिंचाई के लिए बल्कि पेयजल आपूर्ति के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। निरीक्षण के दौरान जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री अशोक निरंजन सब इंजिनियर सुश्री अश्वनी लकड़ा, श्री अजय दान एक्का सहित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

बाइक पेड़ से टकराई, हादसे में वन रक्षक की मौत

छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। बलरामपुर जिले के सेमराखुर्द के पास रविवार की रात बाइक सवार वन रक्षक सडक् हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसकी बाइक पेड़ से टकरा गई थी। घायल वन पाल को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां चिकित्सकों ने जांच के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार रामअवतार राम पिता रामप्रीत राम उम्र 25 वर्ष बलरामपुर जिले के ग्राम मंगलसारा का रहने वाला था। वह वन विभाग में वन रक्षक के पद पर कार्यरत था। रविवार की रात 10 बजे वह ड्यूटी कर बाइक से घर लौट रहा था। रास्ते में सेमराखुर्द के पास बाइक अनियंत्रित होकर सडक् किनारे पेड़ से टकरा गई। दुर्घटना में वन रक्षक गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे स्थानीय अस्पताल से रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया था। यहां जांच के दौरान डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एनएचएम के कर्मचारियों ने बर्खास्तगी के विरोध में सामूहिक त्यागपत्र दिया

छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के कर्मचारियों ने 25 साथियों की बर्खास्तगी के विरोध में प्रदेशव्यापी आंदोलन तेज कर दिया है। सोमवार को अंबिकापुर सहित छत्तीसगढ़ के 33 जिलों के एनएचएम कर्मचारियों ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) को सामूहिक त्यागपत्र सौंपा। सरगुजा जिले के 500 से अधिक कर्मचारियों ने इस आंदोलन में भाग लेते हुए अपना इस्तीफा सौंपा और हड़ताल को समर्थन दिया। एनएचएम संघ की जिलाध्यक्ष शिल्पी राय ने बताया कि सरकार ने 25 कर्मियों को बिना कारण बर्खास्त कर दिया, जिससे कर्मचारियों में आक्रोश है। इसी के विरोध में 22 दिनों से राज्यभर में हड़ताल जारी है। अब तक 16 हजार से अधिक एनएचएम कर्मचारी इस्तीफा दे चुके हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक बर्खास्तगी वापस नहीं ली जाती और कर्मचारियों की मांगें नहीं मानी जाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

ड्यूटी पर लौटने की अपील

सिविल सर्जन डॉ. जेके रेलवानी ने बताया कि ये कर्मचारी 18 अगस्त से हड़ताल पर हैं। शासन द्वारा बार-बार ड्यूटी पर लौटने की अपील की गई, क्योंकि स्वास्थ्य विभाग का कार्य अत्यंत संवेदनशील है। इसके बावजूद कर्मचारी अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। आज दिए गए सामूहिक इस्तीफे की जानकारी शासन को भेजी जाएगी। हड़ताल के चलते शासकीय अस्पतालों की स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं, जिससे आमजन को काफी परेशानी हो रही है।

बाइक पेड़ से टकराई, हादसे में वन रक्षक की मौत

अंबिकापुर. बलरामपुर जिले के सेमराखुर्द के पास रविवार की रात बाइक सवार वन रक्षक सडक् हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसकी बाइक पेड़ से टकरा गई थी। घायल वन पाल को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां चिकित्सकों ने जांच के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार रामअवतार राम पिता रामप्रीत राम उम्र 25 वर्ष बलरामपुर जिले के ग्राम मंगलसारा का रहने वाला था। वह वन विभाग में वन रक्षक के पद पर कार्यरत था। रविवार की रात 10 बजे वह ड्यूटी कर बाइक से घर लौट रहा था। रास्ते में सेमराखुर्द के पास बाइक अनियंत्रित होकर सडक् किनारे पेड़ से टकरा गई। दुर्घटना में वन रक्षक गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे स्थानीय अस्पताल से रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया था। यहां जांच के दौरान डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आईटीआई अंबिकापुर में नव कौशल, नई राह, नया हुनर कार्यक्रम का आयोजन

छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। दिनांक 08 सितम्बर 2025 ⁓ शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) अंबिकापुर में नवप्रवेशित शिक्षार्थियों के लिए नव कौशल, नई राह, नया हुनर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के प्राचार्य श्री सी. एस. पैंकरा द्वारा किया गया। उन्होंने सभी नवप्रवेशित छात्रों को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह संस्थान युवाओं को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा देकर आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

कार्यक्रम में संस्था के अन्य प्रशिक्षण अधिकारियों ने क्राफ्ट्समैन ट्रेनिंग स्कीम (ष्ट्ज्ञस्) के उद्देश्य, पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण अवधि और लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही विभिन्न योजनाओं, छात्रवृत्ति, प्लेसमेंट अवसरों, लेटरल एंट्री प्रक्रिया तथा अप्रेंटिसशिप कार्यक्रमों के विषय में भी शिक्षार्थियों को जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षार्थियों ने प्रशिक्षण से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे, जिनका समाधान प्राचार्य श्री पैंकरा द्वारा सहज और स्पष्ट रूप से किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर सीखने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर संस्था के अधिकारीगण, प्रशिक्षक, कर्मचारी और नवप्रवेशित शिक्षार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अंत में प्रशिक्षण अधिकारियों ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

हजारों आदिवासी किसान एग्रीस्टैक पंजीयन से वंचित, कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना

छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। धान खरीदी की प्रक्रिया 1 नवंबर से शुरू होने जा रही है, इसके पहले एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य कर दिया गया है। इस बीच कांग्रेस ने सरकार पर आदिवासी किसानों की उपेक्षा का आरोप लगाया है। सोमवार को जिला कांग्रेस कार्यालय, राजीव भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में जिला कांग्रेस अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक व पूर्व अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने कहा कि जिले के लगभग 30 प्रतिशत आदिवासी किसानों का पंजीयन अब तक नहीं हो पाया है।

इन्होंने आरोप लगाया कि दस्तावेजों में त्रुटि, वन अधिकार पत्र धारकों को नजरअंदाज करना, सामूहिक परिवारों के सदस्यों की अनदेखी और रिकॉर्ड में लिपिकीय गलतियों के चलते हजारों गरीब किसान पंजीयन से वंचित रह गए हैं।

सरकार का ध्यान सिर्फ बड़े किसानों पर है, जबकि गरीब और सीमांत किसानों की अनदेखी की जा रही है। जानकारी के अनुसार जिले में लगभग साढ़े सात हजार किसानों का अब तक पंजीयन नहीं हो पाया है। इनमें 5800 से अधिक कृषक वन अधिकार पत्र धारक हैं, जबकि 300 किसानों का पंजीयन रिकॉर्ड की गलतियों के कारण अटका हुआ है। राकेश गुप्ता ने विशेष रूप से उदयपुर ब्लॉक की स्थिति पर चिंता जताई, जहां 6 खरीदी केंद्रों में 584 किसानों का पंजीयन नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि यह वही ब्लॉक है जहां सरकार कोल ब्लॉक खोलने के लिए तत्पर है, लेकिन वहां के किसानों को धान खरीदी के लिए पंजीयन से वंचित किया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि अगर जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया और सभी पात्र किसानों का पंजीयन नहीं हुआ, तो पार्टी मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेगी और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन भी किया जाएगा। कांग्रेस ने मांग की है कि सभी पात्र किसानों, विशेषकर वन अधिकार पत्रधारियों और दस्तावेज संबंधी त्रुटियों से प्रभावित कृषकों का शीघ्र पंजीयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि उन्हें धान खरीदी का लाभ मिल सके और वे आर्थिक रूप से सशक्त हो सकें।

तेजस्वनी क्षत्रिय महिला समिति ने घंघरी ग्राम में लगाया स्वास्थ्य शिविर

छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। क्षत्रिय महिला समिति ने अपने सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हुए रविवार को गोद लिए गए घंघरी ग्राम में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। यह शिविर विशेष रूप से ग्रामवासियों और पहाड़ी कोरवा समुदाय के बच्चों के लिए ग्राम घंघरी स्थित कोरवा छात्रावास परिसर में आयोजित किया गया।शिविर के दौरान लगभग 200 कोरवा बच्चों और 50 से अधिक ग्रामवासियों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। आवश्यकतानुसार मरीजों को नि:शुल्क दवाइयां भी प्रदान की गई। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण व आदिवासी समुदाय को स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ना और उनके जीवन स्तर में सुधार लाना था।शिविर में कई चिकित्सकों ने अपना अमूल्य योगदान दिया। इनमें प्रमुख रूप से डा योगेंद्र सिंह गहरवार यूरोलाजिस्ट,डा अपेक्षा सिंह गहरवार स्त्रीरोग विशेषज्ञ,डा अभिजीत जैन नेत्र रोग विशेषज्ञ, डा शिखा, डा रुचिका तथा डा युवराज ने मरीजों का परीक्षण कर परामर्श दिया। विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपस्थिति से लोगों को विशेष लाभ मिला और ग्रामीणों ने इस आयोजन की हृदय से सराहना की।शिविर की संपूर्ण व्यवस्था और संचालन में कोरवा बालिका छात्रावास की अधीक्षिका सुशीला का विशेष सहयोग रहा। उन्होंने आयोजन समिति को हर संभव सहायता प्रदान की। स्वास्थ्य परीक्षण उपरांत सभी लाभार्थियों को नाश्ता एवं फल वितरित किए गए, जिससे बच्चों और ग्रामीणों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।कार्यक्रम में क्षत्रिय महिला समिति की कई सदस्य सक्रिय रूप से मौजूद रहीं और शिविर को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें प्रमुख रूप से लतिका सिंह, आशा सिंह राणा, उर्मिला सिंह, पूजा सिंह, किरण सिंह, वसुधा सिंह, माया सिंह, शांता सिंह, अर्चना सिंह, भारती सिंह, लक्ष्मी सिंह, महिमा सिंह, प्रियंका सिंह, सीमा सिंह एवं इंदु सिंह शामिल थीं। सभी ने मिलकर स्वास्थ्य परीक्षण, दवा वितरण और फल वितरण की व्यवस्था में सक्रिय सहयोग दिया।समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि आदिवासी और ग्रामीण समुदाय में स्वास्थ्य जागरूकता का प्रसार करना भी है। आने वाले समय में भी समिति इस तरह के शिविरों का आयोजन कर सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाती रहेगी।ग्रामवासियों और बच्चों की मुस्कान से यह साफ झलक रहा था कि यह शिविर उनके लिए कितना उपयोगी साबित हुआ। समिति की यह पहल ग्रामीण समाज में सेवा, सहयोग और समर्पण की सच्ची मिसाल बनी।

ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर आयोजित किए गए कार्यक्रमों की समीक्षा

छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। सीरतुन्नबी नबी कमेटी अंबिकापुर की एक बैठक कमेटी के संरक्षक रहमत खान की अध्यक्षता में मोमिनपुरा में संपन्न हुई। बैठक में कमेटी द्वारा ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर आयोजित किए गए कार्यक्रमों की समीक्षा की गई और उन सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया गया, जिन्होंने प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से आपसी भाईचारे व सदभावना को बढ़ावा देते हुए, प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं तथा युवाओं को प्रोत्साहित करने वाले गरिमामय कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। बैठक में कमेटी अध्यक्ष जमाल खान ने अल्लाह के प्रति शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि शहर के 13 मदरसा, मस्जिद को संचालित करने वाली कमेटी के ओहदेदारों ने पूरी सक्रियता से अपनी जिम्मेदारियां का निर्वहन किया और अपनी मौजूदगी से कार्यक्रम को आगाज दिया। उन्होंने कहा वे दिल की गहराइयों से अपने तमाम मेहमान-ए-गिरामी, बुजुर्गों, उलेमा-ए-किराम, नौजवान भाइयों और प्यारे बच्चों का तहेदिल से शुक्रगुज़ार हैं, जिन्होंने मोहम्मद साहब के शान्ति, अहिंसा और मानवता की सेवा के संदेश को प्रकट करने के लिए अपने जज्बे और भावनाओं का पूरी शिद्दत के साथ इजहार किया और कार्यक्रम में शामिल हुए.।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरींपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर